RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय
13 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ● 2 सितंबर , 2025 वर्षः-13 अंक-125 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

अफगानिस्तान में भूकंप से 800 मौतें, 2500 घायल

● रविवार को 6 तो सोमवार को फिर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया ● सोते हुए लोगों को बचने का मौका नहीं मिला

भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है : पीएम मोदी

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11.47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें अब तक 800 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2500 से ज्यादा लोग घायल हैं।

भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। इसके बाद सोमवार को 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। ये भूकंप जमीन ने 65 किमी नीचे आया। अल जजीरा के मुताबिक भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए।

ट्रम्प के सलाहकार नवारो बोले
रूसी तेल से भारतीय ब्राह्मणों को मुनाफा, कीमत पूरा देश चुका रहा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है। नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें

समझनी चाहिए। नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत ने सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं।

कांग्रेस बोली- अमेरिका को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए- कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को पीटर नवारो की विवादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए। इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया में अमीरों के लिए किया जाता है। ऐसे में नवारो का बयान न केवल भ्रामक है, बल्कि उनकी अज्ञानता भी दिखा रहा है।

सीएम कुमार का 'ब्रह्मास्त्र'
महिलाओं को रोजगार के लिए 10 हजार की सौगात

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की महिलाओं के उत्थान के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। इस बार सीएम नीतीश ने महिलाओं को एक नया तोहफा दिया है। महिलाओं को रोजगार करने के लिए नीतीश कैबिनेट ने एक नई योजना 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की मंजूरी दी है। इस योजना के तहत अब अपना रोजगार शुरू करने के लिए बिहार की महिलाओं को 10 हजार रुपए की सहायता राशि मिलेगी जिसे वापस करने की भी कोई जरूरत नहीं है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे बिहार के विकास में और भी सक्रिय योगदान दे सकें। विधानसभा चुनाव

से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस कदम को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है।

घर की एक महिला को मिलेगी 10 हजार रुपए की मदद - मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के हर परिवार की एक महिला को उनकी मनपसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देने का बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए की राशि सितंबर महीने में पात्र महिलाओं के खाते में जमा कर दी जाएगी। जल्द ही पात्र महिलाओं से आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस योजना को लागू करने की ज़िम्मेदारी ग्रामीण विकास विभाग को दी गई है। महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष हाट-बाज़ार भी बनाए जाएंगे। इस योजना की खास बात यह है कि 10 हजार रुपए की यह सहायता राशि महिलाओं को वापस नहीं करनी होगी।

भारत के गौरवपूर्ण समय को पुर्नस्थापित करेगी विक्रमादित्य वैदिक घड़ी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● प्रकृति और विज्ञान के संतुलन पर केन्द्रित भारतीय परम्पराओं का गौरवपूर्ण प्रतीक है वैदिक घड़ी ● सीएम डॉ. यादव ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी और ऐप का किया लोकार्पण ● मुख्यमंत्री ने युवाओं के मोबाइल में डाउनलोड करवाया विक्रमादित्य वैदिक क्लॉक ऐप ● मुख्यमंत्री निवास पहुंची शौर्य स्मारक से आरंभ हुई भारत का समय-पृथ्वी का समय रैली

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतवर्ष ने अपने ज्ञान से सम्पूर्ण ब्रह्मांड को अलौकिक किया है। कालगणना की पद्धति 300 साल पहले तक हमारे देश से दुनिया तक जाती थी। भारतीय संस्कृति का प्रत्येक पहलू प्रकृति और विज्ञान का ऐसा विलक्षण उदाहरण है, जो विश्व कल्याण का पोषक है। इन्हीं धरोहरों के आधार पर निर्मित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय परम्परा का गौरवपूर्ण प्रतीक है। इस घड़ी के माध्यम से भारत के गौरवपूर्ण समय को पुर्नस्थापित किया जा रहा है। विरासत-विकास-प्रकृति और तकनीक के संतुलन का प्रकटीकरण विक्रमादित्य वैदिक घड़ी से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के अनावरण और उसके ऐप लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राजा भोज पर यूट्यूब सीरीज के फोल्डर और खगोल विज्ञान पर फिल्म सीडी का किया विमोचन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास के नवनिर्मित द्वार पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का मंत्रोच्चार के बीच अनावरण किया। इस अवसर पर शौर्य स्मारक से आरंभ हुई 'भारत का समय-पृथ्वी का समय' रैली मुख्यमंत्री निवास पहुंची। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रैली में शामिल युवाओं का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के ऐप का लोकार्पण, राजा भोज पर निर्मित यू-ट्यूब सीरीज के फोल्डर का विमोचन और खगोल विज्ञान पर केन्द्रित फिल्म की सीडी का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैदिक घड़ी के उपयोग को

प्रोत्साहित करने का आहवान किया और उपस्थित युवाओं से मोबाइल में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी ऐप भी डाउनलोड करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इस अवसर पर वैदिक घड़ी भेंट की गई।

भारतीय कालगणना में ऋतुओं के प्रभाव का विशेष महत्व- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि सनातन संस्कृति के व्रत, त्यौहार अंग्रेजी कैलेंडर के आधार पर नहीं आते, उनकी गणना में ऋतुओं का प्रभाव शामिल है।

एससीओ में आतंकवाद के खिलाफ भारत की बड़ी जीत

● पाकिस्तानी पीएम की मौजूदगी में पहलगाम हमले की निंदा, सदस्य देश बोले- आतंकियों को सजा दिलाना जरूरी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में एससीओ समिट के दूसरे दिन भारत को बड़ी सफलता मिली है। घोषणापत्र में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की गई है। इस दौरान पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ भी मौजूद थे। घोषणा पत्र में कहा गया कि इस हमले के अपराधियों, आयोजकों और उन्हें समर्थन देने वालों को सजा दिलाना जरूरी है।

इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गौरतलब है कि इससे पहले जून में हुई रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान एससीओके घोषणापत्र में पहलगाम हमले का जिक्र भी नहीं था। इसे लेकर

भारत ने नाराजगी जताई थी। साथ ही इस पर साइन करने से इनकार कर दिया था।

मोदी बोले- कुछ देशों को आतंकवाद के खुले समर्थन की छूट क्यों- इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन दौरे आखिरी दिन एससीओ की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद को दुनिया के लिए खतरा बताया। उन्होंने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए इसे आतंकवाद का सबसे बुरा रूप बताया। मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद को पिछले चार दशकों से झेल रहा है। पीएम ने सवाल उठाया कि कुछ देशों का आतंकवाद को खुला समर्थन कैसे स्वीकार किया जा रहा है।

● **पुतिन से बात करते रहे मोदी, बगल में खड़े पाक पीएम शहबाज विचलित दिखे** - चीन में तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के दूसरे दिन सोमवार को दुनिया के बड़े नेता अपनी बात रखने पहुंचे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति पुतिन एक साथ नजर आए। तीनों नेताओं ने काफी देर तक बातें कीं। एक पल ऐसा भी आया, जब मोदी और पुतिन बात करते हुए गुजर रहे थे और पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ उन्हें टकटकी लगाए देख रहे थे और असहज हो गए।

मोदी ने पुतिन-जिनपिंग से द्विपक्षीय बातचीत की

सम्मेलन के इतर पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से सोमवार को द्विपक्षीय बातचीत की, जिसमें ऊर्जा, व्यापार और रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति बनी।

पीएम मोदी- पुतिन से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि भारत और रूस लगातार यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने हालिया शांति प्रयासों का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। मोदी ने कहा कि संघर्ष को जल्द खत्म कर स्थायी शांति का रास्ता निकालना जरूरी है, यह पूरी मानवता की मांग है।

मुश्किल हालात में भी साथ रहे भारत-रूस- पुतिन से बैठक में मोदी ने कहा कि भारत और रूस हमेशा कठिन परिस्थितियों में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों का घनिष्ठ सहयोग न सिर्फ भारत और रूस की जनता के लिए, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है।

पुतिन का भारत में बेसब्री से इंतजार- पुतिन के साथ द्विपक्षीय बातचीत में मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीय इस साल दिसंबर में होने वाले 23वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुतिन से मुलाकात हमेशा यादगार अनुभव रहती है और दोनों नेताओं को कई मुद्दों पर विचार-विमर्श का अवसर मिलता है।

वोटर अधिकार यात्रा का पटना में समापन

● राहुल गांधी बोले- हम हाईड्रोजन बम के साथ तैयार ● खड़गे का दावा 6 महीने में गिरेगी सरकार ● तेजस्वी ने कहा- 2 भाजपाई बिहारियों को ठगने निकले हैं

पटना (एजेंसी)। बिहार में 16 दिन चली राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा सोमवार को पटना में खत्म हुई। राहुल ने साढ़े 3 घंटे पटना में वोटर अधिकार मार्च निकाला।

गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सुबह 11 बजे मार्च की शुरुआत हुई जो हाईकोर्ट के पास अंबेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण कर खत्म हुई।

इससे पहले राहुल-तेजस्वी के मार्च को डाकबंगला चौराहे पर रोक दिया गया। यहां जनसभा हुई। इसके लिए पहले से मंच तैयार था। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा, ' एनडीए' के लोग वोट चोरी कर जीत रहे। महाराष्ट्र में भी ये वोट चोरी कर जीते। देश ही नहीं चीन में भी लोग बोल रहे हैं, वोट चोर, गद्दी छोड़।

वोटर अधिकार यात्रा में बीजेपी के लोग काले झंडे दिखा रहे हैं। बीजेपी के लोग सुन लें, एटम बम से बड़ा हाइड्रोजन बम होता है, वो आ रहा है। वोट चोरी की सच्चाई पूरे देश को पता लगने वाली है। हाइड्रोजन बम के बाद नरेंद्र मोदी देश को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे।

भोपाल में तेज बारिश, रतलाम में पलसोड़ा गांव हुआ पानी-पानी

● दमोह में मकान गिरा, पति की मौत, पत्नी घायल, बालाघाट में बिजली गिरने से 3 कॉन्स्टेबल झुलसे

भोपाल (एजेंसी)। रतलाम का पलसोड़ा गांव पानी में डूबा है। उपलई गांव में कार पलट गई। दमोह में मकान गिरने से एक की मौत हो गई। भोपाल में तेज बारिश हुई। मध्यप्रदेश में कहीं तेज, कहीं धीमी बारिश का दौर जारी है। सोमवार को तेज बारिश के चलते दमोह में एक मकान गिर गया। मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उसकी पत्नी घायल है, जिसे अस्पताल ले जाया गया। भोपाल में सुबह 5 बजे से बारिश का दौर जारी है। दोपहर में तेज बारिश होने लगी। रतलाम के धोलावाड़ डैम के तीन गेट खोलने पड़े हैं। पलसोड़ा गांव पानी में पूरी तरह डूब गया है। लोग छतों पर चढ़े हैं। उसरगार और अमलेटा गांव के बीच नाले की पुलिया धंसने से ट्रैफिक रुक गया है। उपलई गांव में एक कार पलट गई। ग्रामीणों ने कार सवार लोगों को बाहर निकाला।

मंदसौर में शिवना नदी उफान पर - मंदसौर में शिवना नदी उफान पर है। बालाघाट में रविवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से तीन कॉन्स्टेबल घायल हो गए। हॉक फोर्स में शामिल देवेंद्र, छत्रपाल और उज्जवल नक्सली सर्चिंग पर निकले थे। उन्हें स्पेशल वाहन से बेहतर उपचार के लिए महाराष्ट्र के गोंदिया भेजा गया है। भोपाल में सुबह तेज बारिश के बाद धूप खिली थी और शाम होते-होते फिर बारिश होने लगी थी।

दमोह में 11 दिन बाद 2 घंटे तक तेज बारिश, सड़कें जलमग्न

दमोह में 11 दिन बाद सोमवार को एक बार फिर मूसलधार बारिश हुई। दोपहर करीब 2:30 बजे शुरू हुई यह बारिश 2 घंटे तक लगातार जारी रही। तेज बारिश के बाद भी रिमझिम फुहारें देर शाम तक चलती रहीं। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी बारिश होने का अनुमान जताया है। इस साल 1 जून से अब तक दमोह में कुल 36.9 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो पिछले साल की तुलना में करीब 4 इंच कम है। पिछले साल 1 सितंबर तक कुल 33 इंच बारिश हुई थी।

पति-पत्नी के बीच रोज सो जाती है सास, मामला दर्ज

गाजियाबाद (एजेंसी)। मोदीनगर निवासी एक युवती ने दहेज की मांग पूरी न होने पर सास पर दंपती के बीच में सोने का आरोप लगाया है। बीते साल युवती की शादी मार्च में सिहानी गेट थानाक्षेत्र निवासी युवक से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद तीन लाख रुपए और स्विफ्ट डिजायर कार की मांग पूरी न होने पर दोनों के बीच सास उनके बेड पर सोने लगी। विवाद बढ़ने के बाद हालात नहीं संभल पाए। युवती ने पुलिस को शिकायत देकर दहेज की मांग, उत्पीड़न और ससुर पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए महिला थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसकी शादी सिहानी गेट थानाक्षेत्र निवासी युवक से बीते वर्ष मार्च में हुई थी।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 2 सितंबर , 2025

शिवपुरी में एएसआई पर कार्रवाई, पार्टी और वीडियो विवाद के बाद सस्पेंड

शिवपुरी। जिले में पुलिस विभाग की साख को धक्का पहुंचाने वाला मामला सामने आया है। जिले के भौंती थाने में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र जाट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें वे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों के साथ पार्टी करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में शराब के दौर चलते दिखाई दे रहे हैं और एक युवती फिल्मी गाने पर रील बनाती हुई भी दिखाई देती है। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैला, जिलेभर में पुलिस की छवि पर सवाल उठने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिवपुरी के पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने तुरंत संज्ञान लिया और एएसआई जितेंद्र जाट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। पुलिस विभाग ने साफ किया है कि अनुशासनहीनता और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना ने जहां पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं यह भी साफ कर दिया है कि उच्च अधिकारी अब ऐसी किसी भी हरकत पर सख्त कदम उठाने में देर नहीं करेंगे।

बैंक डकैती कांड में 3 करोड़ के सोने समेत बिहार के लुटेरे गिरफ्तार

जबलपुर। अगस्त महीने में हुए इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक डकैती कांड में पुलिस ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने बिहार के रहने वाले दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 3 किलो सोना बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ रुपए बताई जा रही है। बरामद सोना उस 14 किलो 875 ग्राम सोने का हिस्सा है, जिसे 11 अगस्त को खितौला स्थित बैंक से कट्टे की नोंक पर लूटा गया था। पुलिस ने जिन आरोपियों को पकड़ा है, उनके नाम राजेश दास उर्फ आकाश दास और इंद्रजीत दास हैं। इनमें से राजेश दास को इस बैंक डकैती का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। पुलिस लगातार दोनों से पूछताछ कर रही है ताकि शेष फरार आरोपियों और लूटे गए बाकी सोने का पता लगाया जा सके। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई के लिए मध्य प्रदेश पुलिस ने बिहार और झारखंड पुलिस से संपर्क कर संयुक्त अभियान चलाया और लुटेरों तक पहुंचने में सफलता पाई। इससे पहले भी पुलिस बैंक डकैती कांड में शामिल रहीस लोधी, हेमराज सिंह, सोनू बर्मन और विकास चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर चुकी है। लेकिन मुख्य मास्टरमाइंड और उसका नेटवर्क पकड़ से बाहर था। अब राजेश दास और इंद्रजीत दास की गिरफ्तारी से उम्मीद है कि इस हाई-प्रोफाइल डकैती की पूरी परतें खुलेंगी और शेष आरोपी भी जल्द ही पुलिस की पकड़ में होंगे।

पांढुर्णा में तंबाकू माफियाओं का लाखों का माल जब्त और दो तस्कर गिरफ्तार, महाराष्ट्र तक फैला है काला कारोबार

पांढुर्णा। एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार कारण बेहद गंभीर है। तंबाकू तस्करी के काले कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपए का अवैध माल जब्त किया और पांढुर्णा से जुड़े दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार सुबह महाराष्ट्र की जलालखेड़ा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जिस स्विफ्ट कार को रोका, उसमें प्रतिबंधित सुगंधित तंबाकू का भारी जखीरा मिला। इस कार्रवाई में 259.3 किलो तंबाकू और वाहन समेत कुल 6 लाख 92 हजार 352 रुपए का अवैध सामान जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विक्रम ज्ञानेश्वर कोरडे (30) और गुणवंत उपासराव वाघले (32) के रूप में हुई है। दोनों ने पूछताछ में तंबाकू की तस्करी की बात कबूल की, जबकि उनका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने इन पर मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई है। यह कोई पहली बार नहीं है जब पांढुर्णा का नाम तंबाकू तस्करी से जुड़ा हो। वर्षों से यहां इस धंधे की जड़ें गहरी जम चुकी हैं। शुरुआत में केवल दो व्यापारी इसमें सक्रिय थे, लेकिन अब पूरा इलाका गोदामों से पटा पड़ा है। शारदा मार्केट, गणेश वार्ड, जवाहर वार्ड, बस स्टैंड, बंसोड़ कॉलोनी, शंकर नगर, तिगांव बायपास और मोरडोंगरी-बढ़चिचोली जैसे क्षेत्रों में तंबाकू के बड़े-बड़े भंडार मौजूद हैं। यहीं से हर हफ्ते छोटे-बड़े वाहनों में माल भरकर नागपुर, सावनेर, अमरावती, वर्धा और महाराष्ट्र के कई अन्य शहरों तक भेजा जाता है। स्थानीय लोग आरोप लगाते हैं कि इस गोरखधंधे में कुछ पुलिसकर्मियों और जनप्रतिनिधियों की भी मिलीभगत है। ट्रैफिक पुलिस हर दिन महाराष्ट्र की ओर जाने वाले वाहनों को देखती है, लेकिन कार्रवाई नहीं होती। जिला प्रशासन और पुलिस को सब कुछ पता होने के बावजूद अब तक बड़े गोदामों पर कोई छापेमारी नहीं की गई। इसका नतीजा यह है कि शासन को करोड़ों का राजस्व नुकसान हो रहा है और नशे की गिरफ्त में आकर युवा पीढ़ी का भविष्य भी बर्बाद हो रहा है। मालाखेड़ा पुलिस की इस कार्रवाई ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अब प्रशासन पांढुर्णा के इन गढ़ों पर भी बड़ी कार्रवाई करेगा या यह केवल दिखावे की कवायद बनकर रह जाएगी। जब तक इस तस्करी के पीछे खड़े बड़े रसूखदारों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक पांढुर्णा से महाराष्ट्र तक तंबाकू के इस अवैध कारोबार की जड़ें और मजबूत होती जाएंगी। यह कार्रवाई एक शुरुआत है, लेकिन अब जरूरत है उस बड़े नेटवर्क को तोड़ने की, जिसने पूरे इलाके को तंबाकू माफियाओं का अड्डा बना दिया है।

हनुमान मंदिर में चोरी : दान पेटी का ताला तोड़कर नकदी ले गया चोर, घटना CCTV में कैद

दतिया। जिले में श्रद्धालुओं की आस्था पर वार करते हुए एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। जिले के उनाव रोड स्थित गंजी के हनुमान मंदिर में देर रात अज्ञात चोर ने दान पेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी पार कर दी। चोर की यह पूरी करतूत मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके बाद श्रद्धालुओं में आक्रोश और भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार यह वारदात रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को हुई। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि चोर सरिए की मदद से दान पेटी का ताला तोड़ता है और उसमें रखे नोट व सिक्कों को गमछे में समेटकर फरार हो जाता है। चोरी के बाद जब सुबह श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो टूटी हुई दान पेटी देखकर हड़कंप मच गया। तत्काल इस घटना की सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई। मामले की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी टीआई सुनील बनौलिया टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। उन्होंने बताया कि चोर की पहचान की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस वारदात के बाद क्षेत्रीय लोगों और श्रद्धालुओं में रोष है और लोग मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग कर रहे हैं।

बड़ा हादसा टला : नागदा की पुलिया पर तेज बहाव में फंसी कार, ग्रामीण युवाओं ने बचाई जिंदगी

नागदा । जिले में भारी बारिश ने नदी-नालों को उफान पर ला दिया है और इस बीच लापरवाही ने दो लोगों की जान पर बन आई। खाचरौद तहसील के पचलसी गांव में शनिवार देर रात आल्टो कार सवार दो युवकों ने तेज बहाव के बावजूद पुलिया पार करने की कोशिश की। लेकिन जैसे ही कार पुलिया के बीच पहुंची, पानी का दबाव इतना ज्यादा था कि गाड़ी वहीं फंस गई और बहने लगी। पलभर में हालात बेहद खतरनाक हो गए और हादसा निश्चित नजर आने लगा। गांव के कुछ जांबाज युवाओं ने सूझबूझ और हिम्मत का परिचय देते हुए तुरंत मोर्चा संभाला। उन्होंने जान जोखिम में डालकर कार तक पहुंचकर दोनों सवारों को समय रहते बाहर निकाला। गनीमत रही कि कोई अनहोनी नहीं हुई।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की कार पर हमला, सुरक्षा बढ़ाने की मांग तेज, पूर्व मंत्री बोले- पार्टी के चीफ हैं, चूक नहीं होनी चाहिए

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति इन दिनों गर्मा गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर रतलाम दौरे के दौरान हुए हमले के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। पार्टी नेताओं ने न सिर्फ हमले की कड़ी निंदा की है, बल्कि सरकार और प्रशासन से सुरक्षा इंतजाम पुख्ता करने की मांग भी तेज हो गई है। पूर्व कानून मंत्री और कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने साफ कहा कि जीतू पटवारी पार्टी के चीफ हैं और उनकी सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी नागरिक की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पूरा मामला रविवार का है, जब जीतू पटवारी रतलाम जिले के दौरे पर थे। वह एक रैली को संबोधित करने के बाद मांगरोल फाटे के पास से गुजर रहे थे, तभी उनकी कार पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने पत्थरबाजी करते हुए उनकी कार के कांच तोड़ दिए। गनीमत रही कि इस दौरान जीतू पटवारी को कोई शारीरिक चोट नहीं पहुंची। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कांग्रेस कार्यकर्ता हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। इस घटना को लेकर जीतू पटवारी ने सीधे तौर पर भाजपा पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यह हमला भाजपा मंडल अध्यक्ष की साजिश थी। उन्होंने दावा किया कि मंडल अध्यक्ष करीब 40 लोगों को साथ लेकर आए थे और सुनियोजित तरीके से उनकी गाड़ी पर हमला करवाया गया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने स्टेशन रोड थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। इधर, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। पीसी शर्मा ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष किसी भी राजनीतिक दल के शीर्ष नेता की तरह ही राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा को हल्के में लेना गंभीर चूक होगी। गौरतलब है कि हाल ही में जीतू पटवारी एक बयान को लेकर विवादों में भी घिर गए थे। उन्होंने कहा था कि देशभर में सबसे ज्यादा शराब पीने वाली महिलाएं मध्य प्रदेश की हैं। उनके अनुसार, उन्हें जो आंकड़े मिले हैं, उनसे स्पष्ट होता है कि एमपी की महिलाएं शराब सेवन में सबसे आगे हैं और प्रदेश में शराब की कुल खपत भी सबसे अधिक है। इस बयान के बाद भाजपा ने इसे ÷लाडली बहनों का अपमान÷ करार दिया था और कई जिलों में उनके खिलाफ प्रदर्शन हुए थे। राजनीतिक गलियारों में अब यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह हमला उनके बयान से उपजे विवाद से जुड़ा हुआ है या फिर यह वास्तव में किसी साजिश का हिस्सा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि यह हमला राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का नतीजा है और सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है।

खजुराहो की धरोहर उपेक्षा की शिकार, मंदिरों के शिखरों पर उगे पेड़, पर्यटकों के लिए ई-रिक्शा और पानी की सुविधा ठप

खजुराहो। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो, जो अपनी अद्भुत मूर्तिकला और स्थापत्य कला के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, इस समय गंभीर उपेक्षा का शिकार हो रहा है। यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के रूप में दर्ज खजुराहो के मुख्य पश्चिम समूह के मंदिरों की स्थिति चिंताजनक हो गई है। मंदिरों के शिखरों और दीवारों पर खरपतवार और पेड़ उग आए हैं, जो धीरे-धीरे पत्थरों की संरचना को कमजोर कर रहे हैं और धरोहर के अस्तित्व पर ही खतरा पैदा कर रहे हैं। इतना ही नहीं, यहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए कुछ समय पहले शुरू की गई ई-रिक्शा सेवा पिछले तीन दिनों से बंद है, जिससे बुजुर्ग पर्यटकों को पैदल ही मंदिरों तक पहुंचना पड़ रहा है। वहीं पिछले छह महीनों से पानी की व्यवस्था भी ठप पड़ी हुई है। ऐसे में तपती धूप और लंबी दूरी तय करने वाले पर्यटकों के लिए हालात और भी मुश्किल हो गए हैं। स्थानीय गाइड अनिल कुमार तिवारी और श्यामलाल रजक का कहना है कि भारतीय पुरातत्व विभाग मंदिरों की देखरेख के लिए जिम्मेदार है, लेकिन उसकी लापरवाही साफ दिखाई देती है। उनके मुताबिक मंदिरों की सफाई और उद्यानिकी के लिए अलग-अलग शाखाएं हैं, मगर इसके बावजूद न तो पेड़ों और खरपतवार को हटाया जा रहा है और न ही पर्यटकों की सुविधाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। गाइड्स ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते इन मंदिरों से खरपतवार और पेड़ों को नहीं हटाया गया तो दीवारें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं, जिससे खजुराहो की धरोहर को अपूरणीय नुकसान होगा। यह वही खजुराहो है, जो हर साल हजारों विदेशी और देशी पर्यटकों को आकर्षित करता है और भारत की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतिनिधित्व करता है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय भोपाल में चिकित्सकीय मैनपॉवर भर्ती प्रक्रिया, अधोसंरचना विकास कार्यों और नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हों जिससे जनता को समय पर सुविधाएं और युवाओं को रोजगार एवं शिक्षा के अवसर मिल सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती, उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं मानदेय से संबंधित विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती के लिए नियमों में संशोधन की चल रही प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अंतर्विभागीय समन्वय और आवश्यक औपचारिकताओं को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रक्रिया 15 सितम्बर तक पूरी कर शीघ्र भर्ती की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एएनएम काउंसलिंग, फार्मासिस्ट नियुक्ति परीक्षा और हॉस्पिटल असिस्टेंट भर्ती की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की और समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। चिन्हित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में आउटसोर्सिंग के माध्यम से एफआरयू संचालन की कार्यवाही की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि मरीजों को मानक अनुरूप सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चिकित्सा अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीपीपी मोड पर धार, बैतूल, कटनी और पन्ना में मेडिकल कॉलेज स्थापना की कार्यवाही पर विस्तार से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संबंधित अधिकारियों को भूमि आवंटन और अन्य आवश्यक सहयोग समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण होना चाहिए, जिससे शीघ्र चिकित्सा शिक्षा सत्र प्रारंभ हो सके और नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। नर्सिंग कॉलेज निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग हो, गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी तथा सीईओ आयुष्मान मध्यप्रदेश डॉ. योगेश भरसट उपस्थित रहे।

फैक्ट्री कर्मचारी का कंकाल झाड़ियों में मिलने से मचा हड़कंप, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

जबलपुर। सोमवार को सनसनीखेज मामला सामने आया, जब जीसीएफ फैक्ट्री में काम करने वाले एक कर्मचारी का कंकाल झाड़ियों में पड़ा मिला। यह घटना पनागर थाना क्षेत्र के चकहा नाला के पास की है। मृतक की पहचान पनागर निवासी बिहारी लाल के रूप में हुई, जो 4 अगस्त से रहस्यमय तरीके से लापता थे। जानकारी के अनुसार, जब ग्रामीणों ने नाले के पास झाड़ियों में कंकाल जैसी हालत में पड़े शव को देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के दौरान कंकाल के पास से आईडी कार्ड और कुछ पैसे बरामद हुए, जिनसे मृतक की पहचान की गई। इस पहचान के बाद यह पुष्टि हुई कि शव उसी फैक्ट्री कर्मचारी बिहारी लाल का है, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने पहले ही पनागर थाने में दर्ज कराई थी। बिहारी लाल की रहस्यमय मौत ने इलाके में दहशत और सवाल दोनों खड़े कर दिए हैं। मृतक के परिजनों ने क्षेत्र के कुछ लोगों पर हत्या का संदेह जताया है और पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि बिहारी लाल का अचानक लापता होना और अब इस हालत में शव मिलना किसी षड्यंत्र की ओर इशारा करता है। फिलहाल पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा। वहीं, पुलिस टीम संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है और आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की भी तैयारी कर रही है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। स्थानीय लोग इसे बेहद गंभीर मामला मानते हुए पुलिस से पारदर्शी जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

जिम संचालक बना ड्रग्स पैडलर, हाई प्रोफाइल गैंग से गहरे रिश्तों का पर्दाफाश

भोपाल। ड्रग्स तस्करी, लव जिहाद और हथियारों की कालाबाजारी से जुड़े हाई प्रोफाइल रैकेट का बड़ा खुलासा हुआ है। शहर में फिटनेस ट्रेनिंग और जिम चलाने के नाम पर युवाओं को स्वस्थ जीवन का झांसा देने वाला जिम संचालक मोनिस खान असल में बड़ा ड्रग्स पैडलर निकला। पुलिस जांच में सामने आया कि वह युवक-युवतियों को वजन कम करने की दवा बताकर ड्रग्स सप्लाई करता था और इस गंदे धंधे का उसका सीधा कनेक्शन शहर के कुख्यात मछली गैंग से था। क्राइम ब्रांच की पूछताछ में यह राज तब खुला जब 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तार किए गए सैफउद्दीन ने बताया कि मोनिस खान शाहवर और यासीन मछली के गुर्गों से भारी मात्रा में ड्रग्स खरीदता था। फिटनेस ट्रेनर से जिम संचालक बने मोनिस का धंधा धीरे-धीरे ड्रग्स पैडलिंग में तब्दील हो गया। उसने भोपाल के कई युवाओं को अपने जाल में फंसाया और खुद को वेट लॉस एक्सपर्ट बताकर युवाओं को धीरे-धीरे नशे का आदी बना दिया। पुलिस ने सैफुद्दीन के मेमोरेंडम के आधार पर मोनिस खान को आरोपी बनाया, लेकिन मामला सामने आते ही वह मलेशिया फरार हो गया। फिलहाल पुलिस उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करने की तैयारी में है और इंटरपोल से भी संपर्क साधा जा रहा है। इधर जांच में यह भी सामने आया कि मछली परिवार लंबे समय से न केवल ड्रग्स बल्कि हथियारों के धंधे से भी जुड़ा है। शाहिद मछली, जो बुधवारा इलाके का रहने वाला है, उसके खिलाफ कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इसी वजह से उसके तीन गन लाइसेंस निरस्त कर दिए गए। हैरानी की बात यह है कि शाहिद को सालाना तीस लाख कारतूस रखने की लिमिट मिली हुई थी, जिससे यह साफ हो गया कि वह कानूनी परत के पीछे छिपकर बड़े पैमाने पर हेराफेरी करता था। अब पुलिस और जांच एजेंसियां मछली गैंग से जुड़े हर व्यक्ति की गहराई से छानबीन कर रही हैं। इस केस ने यह भी साफ कर दिया है कि भोपाल में फिटनेस और जिम जैसी जगहों को आड़ बनाकर संगठित अपराधियों ने अपने जाल फैला रखे हैं। यह मामला सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन भी सवालों के घेरे में है कि आखिर इतने बड़े नेटवर्क को लंबे समय तक कैसे नजरअंदाज किया गया।

3 वायरस एक्टिव, बच्चे हो रहे बीमार

इमरजेंसी में पहुंचे 119 बच्चे; तेज बुखार के साथ सांस लेने में तकलीफ, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण

भोपाल (नप्र)। अचानक तेज बारिश, धूप और बादलज्मौसम के ये तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। जैसे-जैसे मौसम में बदलाव हो रहा है वैसे-वैसे ही तीन वायरस सक्रिय हो रहे हैं। ये वायरस ज्यादातर बच्चों को प्रभावित कर रहे हैं। बच्चों में तेज बुखार, शरीर दर्द, उल्टी-दस्त जैसे लक्षण देखे जा रहे हैं।

जेपी अस्पताल और हमीदिया अस्पताल की शिशु रोग विभाग की इमरजेंसी में 119 बच्चे पहुंचे, जो औसतन रविवार को आने वाले बाल रोगियों की संख्या से तीन गुना अधिक हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन वायरस से प्रभावित बच्चों को पूरी तरह रिकवर होने में 7-10 दिन का समय लग रहा है। बीते एक सप्ताह में एम्स, हमीदिया और जेपी अस्पताल में 15 साल से कम आयु के 6 हजार से अधिक बच्चे ओपीडी में पहुंचे हैं।

अवैध हथियार की 'खानदानी' फैक्ट्री

दादा, दो बेटे और पोता चला रहे थे, दूसरे राज्यों में सप्लाई ; भोपाल क्राइम ब्रांच का टीकमगढ़ में छापा

भोपाल (नप्र)। भोपाल क्राइम ब्रांच ने टीकमगढ़ के जतारा के रामगढ़ में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। इसे आनंदी विश्वकर्मा नाम का शख्स अपने दो बेटों और नाबालिग पोते के साथ मिलकर चला रहा था। फैक्ट्री दूरस्थ वेयरहाउस में थी। आरोपी मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों में अवैध हथियार सप्लाई करते थे। इसके लिए सात एजेंट बना रखे थे। क्राइम ब्रांच की टीम ने फैक्ट्री से लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीनें, देसी पिस्टल और तीन अधूरी पिस्टल सहित कई कलपुर्जे जब्त किए हैं।

क्राइम ब्रांच पुलिस ने बताया कि वाहन चोरी और अवैध हथियारों के कारोबार से जुड़े तीन आरोपियों को भोपाल के निशातपुरा से हिरासत में लिया था। इनके कब्जे से तीन वाहन बरामद किए गए, जिन्हें हनुमानगंज थाने के सुपुर्द किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मुख्तार खान हथियारों की अवैध सप्लाई में शामिल है। उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली गई, जिसमें एक पिस्टल बरामद हुई।

कृषि उपकरण निर्माण के नाम पर हथियार- मुख्तार खान ने पुलिस पूछताछ में बताया कि पिस्टल उसे सुरेंद्र विश्वकर्मा से मिली थी। सुरेंद्र ने टीकमगढ़ में अवैध हथियार फैक्ट्री लगा रखी थी। मुख्तार के बयानों के आधार पर जांच की

गई तो पला चला कि सुरेंद्र और उसका परिवार वर्षों से अवैध हथियार बनाने का काम कर रहा है।

सुरेंद्र का पिता आनंदी विश्वकर्मा लगभग 40 वर्षों से लेथ मशीन से ट्रॉली और कृषि उपकरण बनाने के साथ ही हथियार भी बनाता रहा। इसकी तकनीक उसने राजस्थान के फुलेरा में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार से सीखी थी।

आरोपी का बेटा और नाबालिग भी शामिल- आनंदी विश्वकर्मा ने अपने पूरे परिवार को अवैध गतिविधियों में शामिल किया। सुरेंद्र के जेल जाने के बाद भी परिवार ने हथियार बनाना जारी रखा। आनंदी का नाबालिग पोता और दूसरा बेटा धर्मेंद्र भी इस काम में लगे थे। क्राइम ब्रांच की कार्रवाई से पहले सुरेंद्र और उसके नाबालिग बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, तब भी आनंदी और धर्मेंद्र ने काम बंद नहीं किया था।

शहर की आबादी से दूर डाली फैक्ट्री

आनंदी और सुरेंद्र ने उन्नत मशीनों और उपकरणों के साथ फैक्ट्री स्थापित की थी। पहले कलपुर्जे बाहर से लाकर यहां असेंबल किए जाते थे। इसके बाद सभी कलपुर्जे स्थानीय स्तर पर बनाने लगे। इसके लिए विशेष मशीनें और उपकरण बड़े निवेश के साथ लगाए गए।

ये फैक्ट्री टीकमगढ़ में आबादी से दूर एक वेयरहाउस में थी। सुरेंद्र ने अपने एक परिचित को पार्टनर बनाया और उसे 20 हजार रुपए प्रतिमाह किराया दिया। निर्माण का काम परिवार के सदस्य करते थे, जबकि ग्राहक से संपर्क और सप्लाई कुछ सहयोगियों के माध्यम से किया जाता था। ग्राहक थोक स्तर पर हथियार खरीदते थे।

लूट के मामले में 7 साल सजा काटी

सुरेंद्र विश्वकर्मा पूर्व में लूट के प्रकरण में 7 वर्ष की सजा काट चुका है। जनवरी 2025 में जेल से रिहा होने के बाद उसने पुनः अवैध शस्त्र निर्माण शुरू किया। मामले में आरोपी मुख्तार खान, सुरेंद्र विश्वकर्मा, सैफ अली उर्फ रिंकू, मुमताज अली और आनंदी विश्वकर्मा शामिल हैं, जबकि फरार आरोपी नरेंद्र प्रताप सिंह परमार है। लेथ मशीनें, वेल्डिंग मशीन, ड्रिल मशीन, मिलिंग मशीन, ब्लेंडर मोटर, देसी पिस्टल, तीन अधूरी पिस्टल, बैरल, लोहे के फ्रेम, ट्रिगर, स्लाइडर, कारतूस, मैगजीन, बट की लकड़ी और अन्य कलपुर्जे जब्त किए गए हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

आवारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं, अगस्त में 3 हजार से ज्यादा लोग बने शिकार, अस्पतालों में लगी पीड़ितों की लंबी कतार

इंदौर। देश की नंबर वन क्लीन सिटी कहलाने वाला इंदौर इस समय आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान है। हालत यह है कि हर दिन सैकड़ों लोग कुत्तों के हमले का शिकार हो रहे हैं और अस्पतालों में एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के रिकॉर्ड ने स्थिति की गंभीरता को उजागर कर दिया है। इंदौर के हुकमचंद पॉली क्लिनिक (लाल अस्पताल) के आंकड़े बताते हैं कि केवल अगस्त महीने में अब तक 3 हजार से ज्यादा लोग डॉग बाइट का शिकार हुए हैं। डॉक्टर आशुतोष शर्मा के मुताबिक सिर्फ उनके अस्पताल में ही अगस्त माह में 3169 पीड़ितों को एंटी-रेबीज वैक्सीन लगाई गई। यह स्थिति इस बात की ओर इशारा करती है कि पूरे शहर में आवारा कुत्तों की दहशत कितनी ज्यादा है। लोग सुबह-शाम सड़कों पर निकलने से डरते हैं, खासतौर पर बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कुत्तों के झुंड राहगीरों पर अचानक हमला कर देते हैं, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। लेकिन परेशानी सिर्फ कुत्तों तक ही सीमित नहीं है। इंदौर के कई हिस्सों में बंदर, बिल्ली, चूहे, सूअर, घोड़े, गधे और बैल भी लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। डॉक्टर शर्मा ने बताया कि अगस्त महीने में उनके अस्पताल में 224 लोग बिल्ली के काटने से, 61 लोग बंदर के काटने से और 112 लोग चूहों के काटने से घायल होकर पहुंचे। इसके अलावा 16 लोग अन्य जानवरों और कीड़ों के हमले का शिकार हुए। सभी को तुरंत एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाना पड़ा। यह आंकड़े साफ करते हैं कि इंदौर जैसे बड़े और विकसित शहर में आवारा जानवरों की समस्या कितनी विकराल हो चुकी है। शहर के लोग प्रशासन से लगातार मांग कर रहे हैं कि आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। फिलहाल हालात यह हैं कि डॉग बाइट पीड़ितों की बढ़ती संख्या ने अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी भारी दबाव डाल दिया है।

गणेश पंडाल से उठा विवाद, श्रद्धा-राजा रघुवंशी और नीले ड्रम कांड के पोस्टरों पर बवाल, पुलिस की हिदायत और बजरंग दल की चेतावनी

इंदौर। गणेशोत्सव के दौरान लगे कुछ पोस्टरों ने शहर का माहौल गरमा दिया है। नेहरू नगर चा राजा गणेश पंडाल में महिला अपराधों और देशभर के चर्चित मामलों से जुड़े दृश्य पोस्टरों के जरिए प्रस्तुत किए गए। इनमें श्रद्धा हत्याकांड, मेरठ का नीला ड्रम कांड और इंदौर का चर्चित हनीमून मर्डर केस राजा-सोनम जैसे अपराधों के चित्र लगाए गए, जिनके साथ बड़ा संदेश लिखा गया है ङ्क ÷बेटी बचाओ के बाद अब बेटों को बचाओ।÷ यह संदेश देखते ही देखते चर्चा का विषय बन गया और पंडाल में आने वाले श्रद्धालुओं के बीच जिज्ञासा और बहस का कारण बना। मामला तब और गरमाया जब इन पोस्टरों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस तुरंत सक्रिय हुई और पंडाल पहुंचकर आयोजकों को विवादित पोस्टर हटाने की हिदायत दी। इसके बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग थाने पहुंच गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। उन्होंने पुलिस को चेतावनी देते हुए साफ कहा कि पोस्टरों को नहीं हटाया जाएगा, क्योंकि यह समाज में बढ़ते अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने का तरीका है। आयोजकों का कहना है कि समाज में केवल महिलाओं पर होने वाले अत्याचार ही चिंता का विषय नहीं हैं, बल्कि महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अपराध भी सामने आ रहे हैं, जिन पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। उनका तर्क है कि इन घटनाओं के दृश्य दिखाकर समाज को जागरूक किया जा रहा है ताकि लोग सतर्क हों और अपराधों के दोनों पहलुओं को समझें। हालांकि, इस संदेश को लेकर लोगों की राय बंटी हुई है। कुछ लोग इसे महिलाओं को निशाना बनाने वाला संदेश मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे समाज में बढ़ते अपराधों के खिलाफ चेतावनी और आत्ममंथन का तरीका बता रहे हैं। पुलिस प्रशासन फिलहाल मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थिति को शांत रखने की कोशिश कर रहा है।

इंदौर के आसिफ 'केबीसी' की हॉट सीट पर

इंदौर। 'कौन बनेगा करोड़पति' के 5 सितंबर को आने वाले एपिसोड में इंदौर के आसिफ अमिताभ बच्चन के सामने हॉट सीट पर नजर आएंगे। चंदन नगर, स्कीम 71 के निवासी आसिफ ने शो के दौरान बिग बी से बातचीत में कहा कि परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। वे कंस्ट्रक्शन साइट पर लेबर का काम करते हैं। इसमें वे बीम और कॉलम बनाते हैं। इस काम में कई बार गड्ढे में उतरना पड़ता है और कभी ऊपर चढ़कर काम करना पड़ता है। मेरी तीनों बेटियां मेरी आन, बान, शान और गर्व हैं। आसिफ ने शो में कहा कि मैं काम में जितना रिस्क लेता हूं, इन्हीं के लिए लेता हूं। इस पर बिग बी काफी प्रभावित हुए और उनकी हौसला-अफजाई की। शो में उपस्थित लोगों ने भी उनकी इस बात को सराहा। शो में उनकी दो बेटियां भी आई थीं। उन्होंने बिग बी से कहा कि पापा हमें सब कुछ दिलाते हैं, लेकिन खुद के लिए कुछ नहीं खरीदते। डुउनकी छोटी बच्ची सिर्फ एक साल की है।

कलेक्शन एजेंट का बैग लूटने वाले धराए

इंदौर। बिजली बिल का कलेक्शन कर घर जा रहे एजेंट का नोटों से भरा बैग बदमाश झपटकर भाग निकले थे। इस दौरान बैग फटने से कुछ रुपए सड़क पर बिखर गए। शेष रुपए बदमाश ले जाने में सफल हो गए। पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए लूट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों को घटना के 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। तिलक नगर थाना प्रभारी मनीष लोधा के मुताबिक, फरियादी अजय पिता तुलसीराम जगताप 29 अगस्त की शाम बिजली बिल के कलेक्ट किए एक लाख 12 हजार रुपए बैग में रखकर ले जा रहा था। बैग मोटर साइकिल के हैंडल पर टांगा था। जैसे ही वह नर्सरी के पास पहुंचा तो बाइक पर आए तीन बदमाशों ने बैग खींचने का प्रयास किया, तभी बैग फट गया, जिससे रुपए बिखर गए। मैंने 77,950 रुपए सड़क से उठा लिए। शेष रुपए लेकर बदमाश भाग निकले। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों पर धारा 304(2) का केस पंजीबद्ध किया था। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में आए फुटेज के आधार पर आरोपी रोहन सरकार निवासी पिपलिहाना चौपाटी के पास, आलोक पटेल निवासी आइडिया मल्टी 140 स्कीम, अमर कनाडे निवासी बिचोली मर्दाना तथा साहिल वर्मा निवासी रानीपुरा आइडिया मल्टी के पास स्कीम 140 को पकड़ा।

गाड़ी से कीचड़ उछलने पर मारपीट

इंदौर। गाडी से कीचड़ उछलने के विवाद में वाहन चालकों में मारपीट हो गई। विजयनगर पुलिस ने बताया कि विवाद शनिवार रात 11.55 बजे होटल पाईन ट्री के सामने हुआ। फरियादी अबुजर पिता अब्दुल खान निवासी एहमद नगर खजराना ने बताया कि मैं अपने दोस्त आशु मेव के साथ उसके स्कूटर पर सवार होकर लसूडिया से विजय नगर आ रहे थे। सत्यसाई चौराहे के पास कार चालक ने कीचड़ उछाल दिया था। मैंने इसका विरोध किया तो कार चालक ने मारपीट की। इसी प्रकार, फरियादी मयंक पिता मनीष गंगवाल निवासी महालक्ष्मी नगर ने कार क्रमांक एमपी 09 सीवी 9802 के चालक पर केस दर्ज किया है। फरियादी ने बताया कि मैं अपनी कार से सयाजी होटल क्षेत्र से घर जा रहा था। जैसे ही विजय नगर चौराहे पहुंचा तभी ट्रैफिक अधिक होने के चलते आरोपी की कार से मेरी कार से पीछे से टकरा गई। मैं कार चालक को समझाने लगा तो उसने मारपीट की।

विवाद के चलते भाई और रिश्तेदार की हत्या

इंदौर। विवाद के चलते भाई को धक्का देने से उसकी मौत हो गई। जब विवाद कर रहे लोगों को रिश्तेदार समझाने गया तो उसकी सीने में चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना शिप्रा थाना क्षेत्र की है। पुलिस बताया कि घटना बरलाई जागीर गांव में शनिवार रात 11-12 बजे के लगभग की है। मृतक गांव के ही रहने वाले प्रकाश बागरी (50) और रामप्रकाश है। मृतक रामप्रकाश आरोपी का भाई है; जबकि प्रकाश रिश्तेदार है। आरोपी का नाम रामेश्वर बागरी है। जांच में पता चला कि आरोपी रामेश्वर अपनी पत्नी और भाई रामप्रकाश से विवाद कर रहा था। इसी दौरान उसने अपने भाई रामप्रकाश को धक्का मार दिया। धक्का लगने से रामप्रकाश की मौत हो गई। रिश्तेदार प्रकाश बीच बचाव करने पहुंचा तो आरोपी रामेश्वर ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्ट्म के लिए भेजा है। आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस का अपराधियों पर शिकंजा कॉम्बिंग गश्त में 1220 की चेकिंग

576 बदमाशों पर कार्रवाई, 132 पर ट्रैफिक एक्ट में प्रकरण

इंदौर। आगामी त्योहारों को देखते हुए शहर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए इंदौर पुलिस ने बीती रात व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन व डीसीपी तथा यातायात पुलिस की संयुक्त टीम के नेतृत्व में यह कार्यवाही देर रात से सुबह तक की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 1220 बदमाशों को चेक किया, जिनमें से 576 पर वैधानिक कार्यवाही की गई। इसमें 72 स्थाई, 87 गिरफ्तारी और 153 जमानती वारंट सहित 312 वारंटों का तामील और 131 समंस भी शामिल हैं। वाहन चालकों पर सख्ती बरतते हुए 132 लापरवाह चालकों पर 185 मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई। वहीं सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों के खिलाफ 25 प्रकरण दर्ज किए गए।

एमएलसी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब अनिवार्य रूप से ऑनलाइन, शासन ने डॉक्टरों को दी आखिरी चेतावनी

इंदौर। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों को शासन ने सख्त हिदायत दी है कि अब उन्हें मेडिको लीगल केस और पोस्टमार्टम से संबंधित सभी रिपोर्ट केवल सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर ही दर्ज करनी होंगी। शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यह आखिरी चेतावनी है और अगर डॉक्टरों ने आदेश का पालन नहीं किया तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी डॉक्टर हेमंत गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि करीब तीन साल पहले ही सरकार और प्रशासन ने निर्देश जारी किए थे कि एमएलसी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से जुड़ी जानकारी अब कागजों की फाइल पर नहीं बल्कि ऑनलाइन पोर्टल पर दी जाएगी। इसके बावजूद अब तक अधिकतर सरकारी अस्पताल इस व्यवस्था को गंभीरता से नहीं अपना पाए हैं। नतीजतन, विभाग और प्रशासन अब सख्ती करने जा रहा है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि फिलहाल केवल 50 प्रतिशत डॉक्टर और पुलिस अधिकारी ही इस सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं। जबकि बाकी अब भी पुरानी कागजी प्रक्रिया पर काम कर रहे हैं। शासन का मानना है कि इससे न्यायिक कार्यवाही में कई समस्याएं खड़ी हो रही हैं। हाथ से लिखी रिपोर्ट्स को पढ़ने में कठिनाई आती है और कई बार जानकारी स्पष्ट न होने के कारण मामलों में देरी भी होती है।

ऑनलाइन व्यवस्था का मकसद पूरी तरह पारदर्शिता और सुगमता लाना है। इस पोर्टल को इंटीग्रेटेड क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम से जोड़ा गया है, जिससे अदालतों में जाने वाले मामलों की सुनवाई में आसानी होगी। डिजिटल रिपोर्ट्स के कारण न केवल पढ़ने में आसानी होगी बल्कि रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहेंगे और किसी भी स्तर पर छेड़छाड़ की संभावना नहीं रहेगी। डॉ. गुप्ता ने कहा कि शासन की यह व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग और पुलिस विभाग दोनों के लिए अनिवार्य है। चाहे मामला चोट, बीमारी, दुर्घटना, हमला या संदिग्ध आत्महत्या से जुड़ा हो, अब सभी की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इस व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी, मरीजों और उनके परिजनों को राहत मिलेगी और कोर्ट-कचहरी के मामलों में समय भी बचेगा। शासन का कहना है कि अगर डॉक्टर और पुलिसकर्मी अब भी लापरवाही बरतते हैं तो उनके खिलाफ विभागीय जांच से लेकर निलंबन तक की कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन का यह भी मानना है कि आने वाले समय में सभी सरकारी अस्पतालों में इस नियम का पालन सख्ती से लागू होने के बाद चिकित्सा सेवाओं और न्याय व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

इंदौर में धार्मिक किताब को लेकर विवाद, आपत्तिजनक सामग्री फैलाने का आरोप, दो महिलाओं पर एफआईआर दर्ज

इंदौर। धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला सामने आया है। शहर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र में दो महिलाओं पर एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि ये महिलाएं जबरदस्ती लोगों को धार्मिक किताब खरीदने के लिए कह रही थीं, जिसमें हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक परंपराओं के बारे में आपत्तिजनक बातें लिखी हुई थीं। पुलिस के मुताबिक समाजवाद नगर निवासी निर्मला हार्डिया और रेणुका हार्डिया पर यह मामला दर्ज किया गया है। शिकायत अनुकुल इंगले ने की थी। उसने बताया कि जब वह क्षत्रिय धर्मशाला के पास से गुजर रहा था, तब दोनों महिलाएं उसके पास आईं और 'ज्ञान गंगा' नाम की किताब लेने के लिए दबाव बनाने लगीं। अनुकुल ने आरोप लगाया कि किताब के पन्नों में कई ऐसी बातें लिखी हैं, जो हिंदू धर्म और देवी-देवताओं का अपमान करती हैं।

किताब के पेज नंबर 9 पर धार्मिक स्थलों पर न जाने, उपवास और गंगा स्नान न करने जैसी बातें लिखी थीं। वहीं पेज नंबर 25 पर काल और प्रकृति को लेकर विवादित विवरण दिया गया था। इतना ही नहीं, किताब में ब्रह्मा, विष्णु, महेश और गायत्री माता समेत कई हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ भी आपत्तिजनक बातें लिखी गई थीं। अनुकुल ने यह जानकारी हिंदूवादी संगठनों को दी, जिसके बाद मामला तेजी से तूल पकड़ गया। संगठनों की ओर से आपत्ति जताने के बाद पुलिस ने दोनों महिलाओं को थाने बुलाकर पूछताछ की और सबूतों की पुष्टि होने पर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। यह घटना न केवल इंदौर बल्कि पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गई है। धार्मिक मान्यताओं से जुड़े ऐसे मामलों पर समाज में संवेदनशीलता बढ़ जाती है। पुलिस फिलहाल जांच कर रही है कि यह किताब कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है। मामला भले ही किताब की बिक्री से जुड़ा हो, लेकिन इससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिससे शहर का माहौल प्रभावित हो सकता है। पुलिस प्रशासन अब इस बात पर भी नजर रखे हुए है कि विवाद और न बढ़े और स्थिति नियंत्रण में बनी रहे।

वेब जीआईएस 2.0 की तकनीकी खामियों से पटवारियों की हड़ताल, नामांतरण और बंटवारे के काम ठप

इंदौर। राजस्व विभाग द्वारा शुरू किए गए महत्वपूर्ण पोर्टल वेब जीआईएस 2.0 लगातार तकनीकी खामियों से जूझ रहा है, जिसकी वजह से नामांतरण, बंटवारा और डायवर्शन जैसे अहम राजस्व कार्यों का निराकरण और अमल अधर में लटका हुआ है। पोर्टल की खराबियों से परेशान होकर पटवारी अब लामबंद हो गए हैं और आज से काम बंद हड़ताल शुरू कर दी है। पटवारियों का कहना है कि वेब जीआईएस की खामियों की वजह से उन्हें न सिर्फ किसानों और आवेदकों के सामने परेशानी झेलनी पड़ रही है बल्कि शासन और कलेक्टर स्तर पर कार्रवाई का शिकार भी बनना पड़ रहा है। पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष मनोज परिहार ने बताया कि पिछले एक माह से पोर्टल या तो पूरी तरह बंद है या फिर बेहद धीमी गति से काम कर रहा है। नामांतरण, बंटवारा, अमल, खसरा नकल, फार्मर रजिस्ट्री और ई-केवाईसी जैसे सामान्य कार्यों को पूरा करने में पटवारियों को पूरा दिन लग रहा है। बार-बार शिकायत और ज्ञापन देने के बावजूद न तो तकनीकी सुधार किए गए और न ही पोर्टल को दुरुस्त किया गया। इसी कारण मजबूर होकर पटवारियों ने वेब जीआईएस पर होने वाले सभी काम रोकने का निर्णय लिया है, हालांकि अन्य राजस्व कार्य पहले की तरह जारी रहेंगे।

बाबू की मनमानी से 100 पटवारियों का वेतन अटका

हड़ताल और तकनीकी समस्याओं से इतर पटवारियों को एक और संकट का सामना करना पड़ रहा है। शासन ने पहले ही आदेश जारी कर दिया था कि हड़ताल अवधि को सेवा अवधि मानकर पटवारियों को पूरा वेतन दिया जाएगा, लेकिन इंदौर जिले की तीन तहसीलों में लगभग 100 पटवारियों का वेतन अब तक अटका हुआ है। पटवारी संघ का आरोप है कि बाबुओं की लापरवाही और मनमानी के चलते भुगतान रोका गया है। शेष पटवारियों को समय पर वेतन मिल चुका है, लेकिन तीन तहसीलों के पटवारियों को अब तक भुगतान नहीं होने से नाराजगी बढ़ गई है। इस मामले की जानकारी पूर्व में अधीक्षक भू-अभिलेख और प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक सुधार नहीं हुआ। जिला अध्यक्ष मनोज परिहार ने बताया कि इस समस्या को लेकर पटवारी आगामी जनसुनवाई में कलेक्टर के सामने अपनी परेशानियां रखेंगे।

कान्ह-सरस्वती नदी शुद्धिकरण : 510 करोड़ की डीपीआर शासन को भेजी, अब अर्बन चैलेंज फंड से मिलेगी संजीवनी

इंदौर। कान्ह-सरस्वती नदी को पुनर्जीवित करने और उसे गंदे नाले की छवि से बाहर लाने के लिए अब इंदौर विकास प्राधिकरण ने अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत बड़ा कदम उठाया है। पिछले बीस सालों में स्मार्ट सिटी, नमामि गंगे और अमृत योजना जैसी योजनाओं पर 1200 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने के बावजूद नदी की स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ था। अब आईडीए ने 510.32 करोड़ रुपए की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर शासन को भेजी है। बोर्ड बैठक में स्वीकृत इस प्रस्ताव के तहत 25 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार, 50 प्रतिशत राशि बॉण्ड, बैंक लोन या पीपीपी मॉडल से और शेष 25 प्रतिशत राशि स्थानीय निकाय और प्राधिकरण से जुटाई जाएगी। नगर निगम पहले भी ग्रीन बॉण्ड जारी कर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर चुका है, इसलिए इस परियोजना में भी बॉण्ड जारी किए जाने की संभावना है। योजना के अंतर्गत सरस्वती और कान्ह रिवर कॉरिडोर की कुल 19.385 किलोमीटर लंबाई पर काम किया जाएगा। इसमें नदी किनारों पर बाउंड्रीवॉल, फाउंटेन, पार्किंग, हाट बाजार, लैंडस्कैपिंग, पाथवे, फुट ओवरब्रिज, सार्वजनिक टॉयलेट और वॉल पेंटिंग जैसे कार्य होंगे, ताकि नदी को न केवल प्रदूषण से मुक्त किया जा सके बल्कि उसके किनारों को आकर्षक और नागरिक उपयोग के अनुकूल बनाया जा सके। इसके साथ ही सरकार सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए 920 करोड़ रुपए की लागत से 12 किलोमीटर लंबी क्लोज-डक्ट टनल भी बना रही है। यह टनल जमालपुरा से शुरू होकर राघो पिपलिया से केडी पैलेस तक जाएगी और कान्ह नदी का दूषित पानी सीधे गंभीर डेम में छोड़ा जाएगा। पिछली बार 150 करोड़ रुपए खर्च कर बनाई गई पाइपलाइन व्यवस्था पूरी तरह विफल रही थी और क्षिप्रा नदी में गंदा पानी पहुंचने से साधु-संतों ने नाराजगी भी जताई थी। इस बार सरकार का लक्ष्य है कि क्षिप्रा में गंदे पानी की एक बूंद भी न मिले।

हाल ही की बारिश ने भी उज्जैन की जनता को राहत दी है। यशवंत सागर डेम लबालब हो गया और अतिरिक्त पानी गंभीर डेम में छोड़ा गया। इसके चलते गंभीर डेम भर गया और लंबे समय बाद उज्जैन को पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सकी। शहर के अन्य तालाबों का जलस्तर भी लगातार बढ़ा है। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती अवैध निर्माणों की है। दो साल पहले प्रशासन ने कान्ह-सरस्वती नदी किनारे बने ढाई हजार से अधिक अतिक्रमणों की पहचान की थी, लेकिन उन पर ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। इस बार भी बरसात के दौरान इन्हीं अतिक्रमणों के कारण कई जगह जलभराव की स्थिति बनी। विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक अतिक्रमणों को हटाया नहीं जाएगा, तब तक नदी शुद्धिकरण और सौंदर्यीकरण की यह महत्वाकांक्षी परियोजना अधूरी ही रहेगी।

पब में हुआ बवाल, युवकों में चली बेल्ट और चाकू, दो घायल, पुलिस ने किया हस्तक्षेप

इंदौर। शहर के लसूडिया इलाके में देर रात एक पब में हुए विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ झगड़ा पहले हाथापाई और बेल्टबाजी तक पहुंचा और फिर चाकू निकलने से हालात बेकाबू हो गए। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, देर रात मार्क्यू पब में कुछ युवक बिना एंट्री दिए अंदर घुसने का प्रयास कर रहे थे। इसी बात को लेकर बाउंसरों से उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला हाथापाई में बदल गया। इसी दौरान आलीराजपुर से आए गोविंद प्रसिद्ध और उनके साथियों का पब में मौजूद शिवम, प्रशांत, प्रदीप, लक्की और अन्य युवकों से विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर बेल्ट से हमला कर दिया और कुछ ही देर में चाकू भी निकल आए। चाकूबाजी में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। मौके पर पहुंची लसूडिया पुलिस ने दोनों गुटों के बीच चल रहा विवाद शांत कराया और घटनास्थल से कई युवकों को हिरासत में लिया। पुलिस ने पांच युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।यह पहली बार नहीं है जब इंदौर के पबों में इस तरह का हंगामा हुआ हो। लसूडिया और विजय नगर इलाके में देर रात तक चलने वाले पब अक्सर इस तरह की घटनाओं का केंद्र बन जाते हैं। पहले भी कई बार पबों में विवाद के बाद चाकूबाजी और मारपीट की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पुलिस और प्रशासन ने बार-बार पब संचालकों को तय समय पर पब बंद करने की हिदायत दी है, लेकिन अधिकतर पब देर रात तक खुले रहते हैं। इसी दौरान युवा अधिक शराब पीकर नशे में आपसी झगड़ों और हिंसक झगड़ों में उलझ जाते हैं।

'हार' की तरह दिखती है, मंदिर की तलहटी में बहती माही नदी

ऋतुराज बुड़ावनवाला

रतलाम से लगभग 39 किमी दूर बाजना शिवगढ़ मार्ग पर आदिवासी अंचल के विंध्य के पठार में स्थित राजपुरा माताजी के नाम से विख्यात मंदिर सदियों से आदिवासी तथा दूर दराज स्थित सभी समाज के लोगों की गहरी आस्था श्रद्धा और विश्वास का केंद्र बना हुआ है। मान्यता है कि पावागढ़ से उड़कर आई शक्ति स्वरूपा देवी भद्रकाली माता सुबह बालिका रुप, दोपहर यौवन अवस्था और रात में वृद्ध स्वरूप में दर्शन देती है। मूर्ति के दोनों ओर अखंड ज्योत जल रही है। इस शक्तिपीठ से नवरात्रि में अनेक स्थानों से भक्त आकर ज्योत ले जाते हैं।

500 साल पुराने मंदिर का निर्माण 1500 ई. का बताया जाता है। मंदिर के वर्तमान नाम गढ़खंखाई माताजी को लेकर एक कथा प्रचलित है। यहां पर रतलाम के राजा रतन सिंह द्वारा रतलाम गढ़ का निर्माण कराया जा रहा था। उस समय गरबे के दौरान राजा ने माता का पल्ला पकड़ लिया था। माता ने राजा से कहा था कि जो चाहिए वह मांग लो। राजा ने कहा 'आप चाहिए!' माताजी ने क्रोध में आकर खंखार कर श्राप दिया। इससे निर्माणाधीन गढ़ बिखर गया। तब से यह स्थान गढ़खंखाई माताजी के नाम से जाना जाने लगा। श्री गढ़खंखाई माता मंदिर में सदियों से लगने वाला चैत्र नवरात्रि का मेला आस्था के साथ ही व्यापार के नजरिए से भी काफी महत्वपूर्ण है। इस मेले में रतलाम के साथ ही आसपास के नगर शिवगढ़, बाजना, रावटी के साथ ही जिले से लगे कई गांवों से हजारों भक्त माताजी के दर्शन करने पहुंचते हैं और मेले का आनंद लेते हैं। यहां दूर-दूर से कारोबारी आकर मेले में दुकान लगाते हैं। लेकिन, दो अवसर ऐसे आए जब यह मेला नहीं लग पाया। यहां एक डकैत बहादुर का आतंक था, जिसकी वजह से वर्ष 2000 में मेले का आयोजन नहीं हुआ था। कोरोना काल के चलते भी यहां मेला नहीं लग पाया।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 2 सितंबर , 2025

संपादकीय | युद्ध, भुखमरी और मौत बन रहे गाजा की पहचान?

हम लगभग हर दिन उन फिलस्तीनियों पर गोलियां चलने के मामले देख रहे हैं, जो भोजन की तलाश में सहायता स्थलों तक पहुंचते हैं या वहां से लौटते हैं. मानवीय स्थिति पहले से ही गंभीर थी, हजारों फिलिस्तीनी मारे गए और लाखों विस्थापित हो चुके थे, लेकिन हाल के हफ्तों में इस तरह की गोलीबारी की घटनाओं ने संकट को और बढ़ा दिया है. कई बार ये गोलियां सहायता स्थल के भीतर खड़े लोगों पर चलाई गईं, तो कई बार वे लोग निशाना बने जो भोजन या आटे के बोरे लेकर अपने घर लौट रहे थे.''

यह कहना है भुखमरी की व्यापकता के बीच, घेरे में फंसे गाजा के डॉक्टरों का. लेकिन इजराइली प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय संगठन गाजा के नागरिकों की कठिनाइयों के बारे में 'झूठ' फैला रहे हैं. अब सवाल यह उठता है कि गाजा त्रासदी के खंडहरों में तब्दील होता जा रहा है, क्या यह प्रक्रिया रुकेगी या गाजा की मृत्यु तक जारी रहेगी?

एक बात और, इजराइल को अपनी रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है लेकिन क्या वह गाजा की महिलाओं और बच्चों को मार कर हासिल हो सकती है? अब पत्रकार भी निशाना बनने लगे हैं जिन्हें इजराइली डिफेंस फोर्सेज हमास के ऑपरेटिव्स बताकर उचित ठहराना चाहते हैं. क्या यह नजरिया उचित है? अंतिम प्रश्न यह कि क्या दुनिया ने अपनी आंखें यह मानकर मूंद ली हैं कि सब कुछ ठीक चल रहा है या फिर उसकी आंखें खुली हैं और यह मान लिया गया है कि जंग में सब जायज है? 7 अक्तूबर 2023 को हमास ने जो हरकत की थी उसकी सजा उसे मिलनी ही चाहिए थी, मिली भी. हमास ही नहीं बल्कि जो संगठन अथवा देश

उसकी मदद कर रहे थे, इजराइली डिफेंस फोर्सेज ने उन्हें सबक सिखा दिया. इसी का परिणाम है कि हमास के सारे बड़े नेता मारे जा चुके हैं और जो शेष हैं वे केवल 10 से 15 प्रतिशत पॉकेट तक सिमटे हुए हैं, हिजबुल्ला निष्क्रिय है और ईरान ने अपने पैर पीछे खींच लिए हैं. इसलिए अब गाजा में इजराइली कार्रवाई एक अंतहीन, अराजक और सैन्य दृष्टि से निरर्थक स्थिति की ओर बढ़ रही है. हमास के बहाने गाजा के लोगों को मारना न्यायोचित नहीं हैं लेकिन जिन अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर युद्ध रुकवा कर समाधान निकालने की जिम्मेदारी है, वे पंगु से दिख रहे हैं.

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य के अधिकारियों की मानें तो अक्तूबर 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से 60839 लोग सैन्य कार्रवाई में मारे जा चुके हैं और 72500 से ज्यादा घायल हुए. इन कार्रवाइयों में गाजा की 60 प्रतिशत से अधिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और करीब 20 लाख लोग बेघर हुए जिनमें से अधिकांश गाजा पट्टी के केंद्र में ठूंस-ठूंस कर रखे गए हैं. अब इजराइल गाजा में संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित व्यवस्था को भी दरकिनार कर रहा है. वह अपनी व्यवस्था स्थापित करना चाहता है. वह चाहता है कि आपूर्ति के लिए एक कॉरिडोर बने जिससे संयुक्त राष्ट्र द्वारा संचालित व्यवस्था का लाभ हमास न उठा सके. यद्यपि संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के उपमहासचिव मार्टिन ग्रिफिथ्स ने चेतावनी दी है कि 22 महीने लंबे युद्ध के बाद यदि यह योजना लागू होती है, तो वह गाजा में पहले से ही गंभीर मानवीय संकट को और गहरा कर देगी. अंततः यह मौत व विनाश का कारण बनेगी. इसके बावजूद नेतन्याहू कह रहे हैं कि उनका कदम 'आतंकवाद को खत्म करने की योजना का हिस्सा' है. संदेश स्पष्ट है कि नेतन्याहू अब अंतरराष्ट्रीय सगठनों की बात नहीं मानेंगे. इसलिए कि वे गाजा पर कब्जा करना चाहते हैं, वह भी सुरक्षा के नाम पर.

ऑनलाइन मनी गेम्सः जुआ को लेकर इतनी हाय-तौबा आखिर क्यों?

ऑनलाइन मनी गेम्स को भारत सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया है. इसके बाद गेम्स के पक्षधरों ने हाय-तौबा मचाना शुरू कर दिया है. उनका तर्क है कि इससे 400 रियल मनी गेम्स से जुड़े करीब ढाई लाख लोग बेकार हो गए हैं और उनके पास कोई काम नहीं बचा है. यह भी कहा जा रहा है कि सरकार ने बिना सोचे-समझे या बिना वैकल्पिक रोजगार के ही अचानक ऐसा फैसला ले लिया. ऐसे रियल मनी गेम्स प्लेटफॉर्म से सरकार को करीब 2.3 अरब डॉलर का टैक्स भी मिल रहा था क्योंकि भारत सरकार ने 2023 से ऑनलाइन गेम्स पर 28 प्रतिशत का टैक्स लगाया हुआ था. गेमिंग के पक्ष में बहुत सारे और भी तर्क दिए जा रहे हैं कि यह जुआ नहीं है बल्कि हुनर है, इसे इसी रूप में देखा जाना चाहिए था. लेकिन केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में जो कहा है, वह रोंगटे खड़े कर देता है. उनका कहना है कि ऑनलाइन मनी गेम्स ने 45 करोड़ भारतीयों को दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान पहुंचाया है.हालात ऐसे हैं कि बहुत से लोग आज डिप्रेशन की स्थिति में हैं. कहा तो यह भी जा रहा है कि ऑनलाइन गेम्स में अपना सब कुछ गंवा बैठे कई लोगों ने अपनी जिंदगी ही समाप्त कर ली. अब सवाल उठता है कि ऑनलाइन मनी गेम्स क्या वास्तव में हुनर के आधार पर प्रतिफल देता है या फिर एक ऐसा जुआ है जहां आपके जीतने की संभावना अत्यंत कम होती है? यदि आप विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि भले ही इस पर हुनर का ठप्पा लगा हो लेकिन हकीकत यह है कि बहुत हुनरमंद लोग भी इस तथाकथित गेम्स से ज्यादा पैसा नहीं बना पाते हैं. पैसा तो वही बनाता है जो इसे संचालित करता है. अब आप इस बात पर नजर डालिए कि ऑनलाइन गेमिंग वाली कंपनियां किस तरह से धन बटोरती रही हैं. एक कंपनी है ड्रीम 11 जिसकी शुरुआत 2008 में हुई और आज वह कंपनी 8 अरब डॉलर की हो चुकी है. इसी तरह माई 11 सर्कल नाम की कंपनी 2019 में शुरू हुई और आज 2.5 अरब डॉलर की हो चुकी है. ड्रीम 11 भारतीय क्रिकेट टीम की मुख्य स्पांसर रही है जबकि माई 11 सर्कल इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़ी थी. धड़ल्ले से धन बटोरने वाली ऐसी और भी कंपनियां हैं. सवाल यह है कि इन कंपनियों के पास आखिर इतना पैसा कहां से आया? इनकी ज्यादातर राशि तो उन्हीं की जेब से आई होगी जो उनके प्लेटफार्म पर गेम्स खेलने आए. यदि ये कंपनियां हुनरमंदों को पैसा दे रही होतीं तो जाहिर तौर पर उन्हें इतना मुनाफा नहीं होता. दरअसल इस तरह के खेल रचे ही इस तरह जाते हैं और इनकी व्यूहरचना इस कदर होती है कि शुरुआती दौर में जब आप छोटी रकम से खेल रहे हों तो आपको थोड़ा मुनाफा हो जाए और बाद में लत लग जाए. फिर आप बड़ी रकम हारते चले जाएं. आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और असम जैसे राज्यों ने इस चोरबाजारी को पहले ही समझ लिया था और पाबंदी लगा दी थी. जो लोग हुनर की बात कर रहे हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि जो लोग ताश का पत्ता लेकर जुआ खेलते हैं उन्हें भी जीतने के लिए हुनर की जरूरत होती है!

आज का कार्टून

मध्य प्रदेश के कण-कण में है सौंदर्य

मध्यप्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य चल गया है. जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां इको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया।

27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उदयान और बोरी वन्य जीव अभ्यारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उदयोग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड के निवेश प्रस्ताव मिले।

भारत का ह्रदय प्रदेश मध्यप्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण-कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार-बार आता है। मध्यप्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है। पर्यटन के संबंध में दशकों पहले की अवधारणाएं अब समाप्त हो गई हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है।

यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सेक्टर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उदयोग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्यप्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है। मध्यप्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्चिक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी।

प्रदेश में पर्यटन की नई-नई शाखाएं उभरी है। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ मध्यप्रदेश की पहचान बहुआयामी पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है।

प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दये, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे-भरे वन हमारी विशेषता है। हमारे वन जीवत है। देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है।

नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर-दूर से आते है। प्रधानमवी श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से मध्यप्रदेश अब देश का एकमात्र चौता प्रदेश बन गया है। चौतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है।सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है।

अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल, भोजेश्वरा महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गॉड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गौड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं।

मध्यप्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य चल गया है. जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां इको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया।

27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उदयान और बोरी वन्य जीव अभ्यारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने और सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उदयोग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है।

हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों सुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है। ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ओफ आनर दिया जाता है।

यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजा की सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत में पहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ। ग्वालियर किले में नीं शताब्दी के इस चतुर्भुज मंदिर में शून्य का सबसे शुरुआती शिलालेख पर उकेरा हुआ प्रमाण मिलता है।

इस मंदिर को दुनिया में टैपल ऑफ जीरो के नाम से भी पहचाना जाता है। धार्मिक आयोजनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है। बाबा श्रीमहाकाल की दिव्य सवारी को भव्य रूप दिया गया। रक्षा बंधन के त्यौहार और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को सार्वजनिक रूप से प्रदेश के कोने-कोने में मनाया गया। धार्मिक महत्व के स्थलों में धार्मिक और सांस्कृतिक लोगों और स्मारकों का निर्माण अध्यात्मिक पर्यटन को नया आयाम देगा। संत रविदास लोक सागर, रानी दुर्गावती स्मारक जबलपुर देवी लोक सलकनपुर सीहोर श्री रामराजा लोक ओरछा, जाम सांवली श्री हनुमान लोक पांढुर्ना, श्री पशुपतिनाथ लोक मंदसौर, श्री परशुराम लोक जानापाव महू, महाराणा प्रताप लोक भोपाल, भादवामाता लोक नीमच, रानी अवंतीबाई स्मारक जबलपुर, मा नर्मदा महालोक अमरकंटक अनूपपुर देवी अहिल्या लॉक खरगौन और नागलवाडी लोक बड़वानी में किया जा रहा है।

एक और जहां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन समृद्ध हो रहा है वहीं दूसरी ओर फिल्म पर्यटन भी तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म निर्माताओं को मध्यप्रदेश में आकर्षक सुविधाएं मिल रही है। कई प्रसिद्ध फिल्मों की शूटिंग मध्यप्रदेश में हुई है। इससे स्थानीय कलाकारों को फिल्मो में काम मिला। फिल्म यूनिट के सदस्यों को होम स्टे की सुविधाओं का लाभ मिला। होम स्टे की संख्या निरंतर बढ़ते जा रही है।

प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति को देखने-समझने में होम स्टे अच्छी भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल 100 पर्यटन ग्राम विकसित किए गए हैं, जिसमें से 63 पर्यटन याम विकसित हो चुके हैं। इनमें 470 से ज्यादा होम स्टे हैं। देश के पहले हैंडलूम गाव प्राणपुर को वैश्विक पहचान मिली है। गॉड, भील पेंटिंग और मांडना आर्ट जैसी जनजातीय कलाओं से पर्यटक परिचत हुए हैं।

हमारा लक्ष्य है कि पर्यटन उदयोग का निरंतर विस्तार हो ताकि पर्यटन की संभावनाओ पूरी तरह रोजगार सृजन के लिये उपयोग किया जा सके। वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 लाख से ज्यादा पर्यटक प्रदेश में आये. जो एक रैकार्ड है। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है।

बांधवगढ़, कान्हा, पन्ना और पेंच में आवागमन बढ़ा है। जिस प्रकार मध्यप्रदेश ने आर्थिक निवेश के द्वार खोले है पर्यटन क्षेत्र पर इसका सीधा प्रभाव पड़ा है। स्थानीय समुदाय की भागीदारी, उदयोग समूहों के सहयोग और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से पर्यटन का क्षेत्र मध्यप्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

भागवत के संदेश से प्रेरणा ले सकती है भाजपा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं, बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

कमलेश पांडे

वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है?

यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताज़ा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण

को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है।

लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है। ऐसे में जो आरएसएस अपनी स्थापना के शुरुआती दिनों से ही हिंदू राष्ट्र की बात पर मुखर रहा है, वह भी नरम हो रहा है।

बता दें कि सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता है, ने इसे परिभाषित करते हुए कहा था कि भारत की आत्मा हिंदू है और यहां की संस्कृति की जड़ें हिंदुत्व से निकली हैं। वाकई संघ का शुरू से ही मानना रहा है कि हिंदू शब्द सिर्फ धार्मिक नहीं है, बल्कि इसमें सभ्यता, परंपरा, जीवनशैली और सामाजिक मूल्य सभी शामिल हैं। यही वजह है कि संघ हमेशा कहता रहा कि मुसलमान, ईसाई, पारसी या अन्य धार्मिक समूह भी इस राष्ट्र के उतने ही हिस्से हैं, जितने हिंदू। इसलिए यह बिल्कुल सीधा और साफ संदेश है कि भागवत का बयान संघ की पुरानी लाइन को ही दोहराता है।

कहना न होगा कि आरएसएस सीधे सत्ता की राजनीति में शामिल नहीं होता है, बल्कि संघ की असली ताकत समाज-निर्माण, जनशिक्षा, जनसेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में है। इसलिए संघ प्रमुख के इस बात में कुछ भी नया नहीं है कि हिंदू राष्ट्र का लक्ष्य संसद में बहुमत पाना नहीं है, बल्कि समाज को ऐसा बनाना है जिसमें नैतिकता, समरसता और सांस्कृतिक एकता स्थापित हो। लेकिन उनकी इस बात की टाइमिंग बहुत ही महत्वपूर्ण है। शायद यह हो सकता है कि संघ प्रमुख बीजेपी के लिए कोई सीमा रेखा खींच रहे हैं या अल्पसंख्यकों को कोई व्यापक संदेश दे रहे हों।

ऐसा इसलिए कि भारत में हिंदू राष्ट्र का सीधा संबंध अक्सर मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना से लिया जाता है। जबकि विपक्ष इसे बहुसंख्यकवादी एजेंडा मानता है। वहीं, चूंकि कांग्रेस-समाजवादियों की तुष्टीकरण की नीतियों से ही हिंदुओं को काफी क्षति हुई है, जिससे संघ-भाजपा की विचारधारा को मजबूती मिली। हालांकि, कांग्रेस नेताओं के मुंह से बीजेपी के बजाय आरएसएस के लिए ज्यादा अपशब्द निकलता रहा है। वहीं आरएसएस के मुख से नेहरू-गांधी परिवार की कुचक्री नीतियों के लिए। शायद यही कारण है कि जब भागवत कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई संबंध नहीं है तो यह संदेश जाता है कि संघ का उद्देश्य किसी पर वर्चस्व थोपना नहीं है, बल्कि यह अवधारणा सबको साथ लेकर चलने वाली सांस्कृतिक पहचान की है।

यहां पर समझने वाला आवश्यक तथ्य यह है कि आखिर संघ यह बात बार-बार क्यों दुहरा रहा है? क्या वो भाजपा के स्थायी शासन के लिए अल्पसंख्यकों को रिझाना चहता है? या फिर यह कहीं बीजेपी को अगले विधानसभा चुनावों के लिए इशारा तो नहीं है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी इस वर्ष बिहार और अगले वर्ष पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में डेमोग्रेफी चेंज और मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर अल्पसंख्यकों पर लगातार जुबानी हमले कर रही है। ऐसे में हो सकता है कि संघ यह चाहता हो कि बीजेपी को अपने रुख में थोड़ी नरमी लानी चाहिए! वहीं, भागवत का बयान भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से यह याद दिलाता है कि संघ की दृष्टि सत्ता से आगे की है। भाजपा हिंदू राष्ट्र को राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल सत्ता हासिल करने के लिए कर सकती है। लेकिन भागवत का यह बयान केवल वैचारिक नहीं बल्कि जमीनी राजनीति से भी जुड़ा हो सकता है। क्योंकि बार-बार यह सवाल उठ रहा है कि देश में बेरोजगारी, किसान संकट जैसे मुद्दे हिंदू-मुसलमान की राजनीति के चलते गौण हो गए हैं। लिहाजा, संघ शायद यह संदेश देना चाहता है कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ इन समस्याओं से मुंह मोड़ना नहीं बल्कि इन्हें समाज-आधारित समाधान देना है।

डॉलर से दूरी, सोने से प्यार... विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने नया तरीका आजमा रहा भारत?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए एक नया तरीका अपनाया है। अब रिजर्व बैंक अमेरिकी ट्रेजरी बिलों की बजाय सोने में ज्यादा निवेश कर रहा है। इसका मतलब है कि भारत सरकार अपनी बचत को सिर्फ डॉलर में रखने के बजाय अलग-अलग चीजों में बांट रही है। यह बदलाव दुनिया भर में हो रहा है, क्योंकि कई देश अब डॉलर पर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहना चाहते। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग और रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने पिछले साल के मुकाबले इस साल जून में अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में कम निवेश किया। लेकिन सोने का भंडार बढ़ा दिया है। फिर भी, भारत अमेरिकी ट्रेजरी बिलों में निवेश करने वाले टॉप 20 देशों में शामिल है। यह सऊदी अरब और जर्मनी से भी आगे है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार जून 2025 में भारत के पास 227 अरब डॉलर के अमेरिकी ट्रेजरी बिल थे। पिछले साल जून में यह आंकड़ा 242 अरब डॉलर था।

पावर स्टॉक में तूफानी तेजी, बिजली सप्लाई करने को लेकर हुई बड़ी डील

नई दिल्ली, एजेंसी। टोरेंट पावर के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त उछाल आया है। टोरेंट पावर के शेयर सोमवार को इंट्रा डे के दौरान करीब 7 पर्सेंट उछलकर 1313.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पावर कंपनी को एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी से एक लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। यह लेटर ऑफ अवॉर्ड कंपनी के आगामी 1600 मेगावॉट के कोयला आधारित प्लांट से बिजली की सप्लाई करने के लिए मिला है। इस प्लांट में 22,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। टोरेंट पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2037.35 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 1207.20 रुपये है।

प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया के बाद मिला लेटर ऑफ अवॉर्डत्न टोरेंट पावर ने घोषणा की है कि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की तरफ से मैनेज की गई कॉम्पिटिटिव बिडिंग प्रोसेस (प्रतिस्पर्धात्मक निविदा प्रक्रिया) में उसकी भागेदारी के बाद लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किया गया है। लेटर ऑफ अवॉर्ड में 5.829 रुपये का टैरिफ तय किया गया है। इस प्रोजेक्ट में करीब 22000 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट होगा, यह पावर सेक्टर में टोरेंट ग्रुप का अब तक का सबसे बड़ा फाइनेंशियल कमिटमेंट होगा। टोरेंट पावर की मध्य प्रदेश में एक ग्रीनफील्ड अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट लगाने की योजना है। इस प्लांट की कैपेसिटी 2-800 मेगावॉट होगी। प्लांट से पूरे आउटपुट की सप्लाई एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी को की जाएगी। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी, कोल मिनिस्ट्री की तरफ से तय की गई शक्ति पॉलिसी के मुताबिक पावर प्लांट के लिए जरूरी कोयला सुनिश्चित करेगी। 25 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर दस्तखत के 72 महीनों के भीतर प्रोजेक्ट लॉन्च किया जाना है। इस पहल से प्लांट के कंस्ट्रक्शन चरण के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष 8000 से 10000 रोजगार के मौके बनेंगे।

भारत और चीन की बढ़ती व्यापारिक नजदीकी बढ़ाएगी अमेरिका की बेचैनी

नईदिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात ने एशियाई व्यापारिक राजनीति की दिशा बदलने वाले संकेत दिए हैं। असली सवाल है, क्या भारत-चीन का संभावित आर्थिक तालमेल अमेरिका की उस रणनीति को चुनौती देगा, जिसे उसने इंडो-पैसिफिक में मजबूती से गढ़ा था?

अमेरिकी और पश्चिमी थिंक टैंक का मानना है, भारत-चीन के बीच बढ़ती व्यापारिक नजदीकी वाशिंगटन की बेचैनी में लगातार इजाफा करेगी। वाशिंगटन का ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन कहता है कि भारत-चीन आपूर्ति श्रृंखला पर कामयाब साझेदारी करते हैं तो अमेरिका पर दोगुना दबाव पड़ेगा। लंदन का चैथम हाउस ने कहा, अमेरिका को समझ लेना चाहिए कि एशिया केवल उपभोक्ता नहीं बल्कि रणनीतिक साझेदार भी बन रहा है।

काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस का कहना है, भारत-चीन क्षेत्रीय व्यापार ढांचा गढ़ते हैं, तो यह अमेरिका के लिए दोहरी चोट होगी। पहली, निर्यातकों पर प्रतिस्पर्धा का दबाव और दूसरी, इंडो-पैसिफिक में अमेरिकी क्षरण। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा, भारत-चीन में व्यापारिक

गर्माहट एशियाई अर्थव्यवस्था के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। रूसी अर्थशास्त्री और ब्रिक्स के प्रमुख रणनीतिकार सर्गेई ग्लाजयेव ने कहा, भारत-चीन व रूस स्थानीय मुद्राओं या ब्रिक्स के वैकल्पिक भुगतान तंत्र का उपयोग करते हैं तो यह अमेरिकी प्रतिबंधों और टैरिफ नीतियों को अप्रभावी बना देगा। ब्रुकिंग्स के अनुसार 2023-24 में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार लगभग 118 अरब डॉलर रहा। इसमें भारत ने अमेरिका को 78 अरब डॉलर का निर्यात किया और अमेरिका से 40 अरब डॉलर का आयात किया। इस लिहाज से भारत को अमेरिका के साथ लगभग 38 अरब डॉलर का सकारात्मक व्यापार संतुलन मिला है। अमेरिकी बाजार भारत के लिए आईटी सेवाओं, फार्मा और इंजीनियरिंग गुड्स का सबसे बड़ा गंतव्य है, जबकि अमेरिका को भारत से रेडीमेड गारमेंट्स, आभूषण और ऑटो कंपोनेंट्स का भी बड़ा निर्यात होता है। ट्रंप के नए टैरिफ से भारत की यह बढ़त खतरे में आ सकती है। अगर भारत-चीन आपसी तालमेल से एशिया में वैकल्पिक सप्लाई चैन मजबूत करते हैं, तो अमेरिकी आयातकों को झटका लगेगा और भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता और ज्यादा मजबूत होगी।

80 तक जाएगा सुजलॉन एनर्जी का ग्रीन स्टॉक !

नई दिल्ली, एजेंसी।
करेज फर्म मोतीलाल ओसवाल को उम्मीद है कि सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिलेगी। ब्रोकरेज हाउस ने इस ग्रीन स्टॉक को टैग दिया है। आज सोमवार को सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। बीएसई में सुजलॉन के शेयर 56.86 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। दिन में यह स्टॉक 2.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 57.86 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि इस स्टॉक में 42 प्रतिशत की तेजी हासिल करने की क्षमता है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक को टैग दिया है। साथ ही 80 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन पिछले एक साल में कैसा?: ज्यादातर चर्चित कंपनियों की तरह सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का भाव 24 प्रतिशत गिरा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 2.69 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, निवेशकों के लिए राहत की बात यह है कि 6 महीने में सुजलॉन एनर्जी का शेयर 15.44 प्रतिशत बढ़ा है। सुजलॉन एनर्जी का 52 वीक हाई 86.04 रुपये और 52 वीक लो लेवल 46 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 78,578.10 करोड़ रुपये का है। बता दें, बीते 5 साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 1614 प्रतिशत की तेजी आई है। सुजलॉन एनर्जी का जून तिमाही के दौरान 3244.40 करोड़ रुपये रेवन्यू रहा है। जोकि सालाना आधार पर 60 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, अप्रैल से जून 2025 के दौरान इस ग्रीन स्टॉक का नेट प्रॉफिट 469.50 करोड़ रुपये रहा है।

एक्सपर्ट को उम्मीद 1000 के पार जाएगा सेमीकंडक्टर स्टॉक, मिला ओवरवेट रेटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी।
लॉन्ग टर्म में निवेशकों को मोटार रिटर्न देने वाली कंपनी सीजी पावर लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली थी। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 4.60 प्रतिशत की उछाल के साथ बंद हुए थे। इस मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। बता दें, सीजी पावर ने बीते हफ्ते एक बड़ी खबर साझा की थी। सीजी पावर ने एक्सचेंज को दी जानकारी में

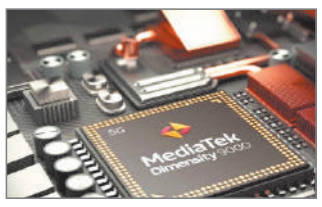

बताया कि उन्होंने गुजरात में एक एसेंबली और टेस्टिंग सेंटर लॉन्च किया है। इसी खबर ने शुक्रवार को शेयरों में तेजी लाई थी। बता दें, भारत सरकार का फोकस सेमीकंडक्टर पर इस समय खूब है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने सीजी पावर लिमिटेड को ओवरवेट रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने 1044 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। पिछले 6 महीने में यह मल्टीबैगर स्टॉक 21 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। वहीं, एक साल में यह स्टॉक 0.94 प्रतिशत गिरा है। हालांकि, यह सेंसेक्स इंडेक्स की 2.83 प्रतिशत की गिरावट से कम है। कंपनी का 52 वीक हाई 874.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 518.35 रुपये है।

यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है

17 साल का टूटा रिकॉर्ड, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अगस्त महीने में भारत का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और तेजी से आगे बढ़ा है। मजबूत मांग के कारण फैक्टरी ऑर्डर और उत्पादन में तेजी आई है, जिसने पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स को 17 साल से भी ज्यादा के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया है। सीजनली एडजस्टेड एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त में बढ़कर 59.3 पर पहुंच गया, जो जुलाई में 59.1 था। यह फरवरी 2008 के बाद से ऑपरेटिंग स्थितियों (कारोबारी हालात) में सबसे मजबूत सुधार का संकेत देता है। नए ऑर्डर्स और उत्पादन में मजबूत वृद्धि ने कंपनियों को कच्चा माल खरीदने और नई नौकरियां देने के लिए प्रेरित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों ने अतिरिक्त सामग्री खरीदने की रफ्तार तेज की और अधिक नौकरियां सृजित कीं, जो आंशिक रूप से भविष्य के आउटलुक को लेकर सकारात्मक उम्मीदों को दर्शाता है। इनपुट स्टॉक (कच्चे माल का स्टॉक) में और वृद्धि हुई, जबकि तैयार माल की इन्वेंटरी नौ महीने में पहली बार बढ़ी। इसका मतलब है कि कंपनियां भविष्य में और मांग की उम्मीद कर रही हैं और उसके लिए तैयारी कर रही हैं। हालांकि, कंपनियों ने अपने सेलिंग प्राइस में उल्लेखित वृद्धि की, लेकिन लागत का दबाव अभी भी नियंत्रण में बना हुआ है। यह एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है क्योंकि इससे मुद्रास्फीति पर अंकुश

लगाने में मदद मिलती है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस तेजी का सीधा फायदा रोजगार बाजार को मिल रहा है। मजबूत विकास ने कंपनियों को नई नौकरियां पैदा करने और अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। लगातार दूसरे महीने पीएमआई का 59 के ऊपर बने रहना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रिकवरी के रास्ते पर है। नए ऑर्डर्स की बढ़ती मांग, बढ़ता उत्पादन और बढ़ती नौकरियां देश के आर्थिक भविष्य के लिए एक सुनहरे युग की शुरुआत जैसा महसूस करा रही हैं।

होम लोन के भारी ब्याज से राहत चाहते हैं, तो जरूर अपनाएं खास तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 काल के बाद से मकान की कीमतों में भारी तेजी देखने को मिली है।दिल्ली, नोएडा, गुरूग्राम या देश के किसी भी बड़े शहर में मकान खरीदना अब चुनौती बन गई है। अगर होम लोन लेकर मकान खरीदते हैं, तो मूल कर्ज से ज्यादा आपको ब्याज चुकाना पड़ता है। निवेश सलाहकारों का कहना है कि होम लोन के भारी ब्याज से बचने के लिए ईएमआई शुरू होने के साथ एसआईपी में निवेश करना अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप ईएमआई के 12 से 15 फीसदी के बराबर रकम हर माह एसआईपी में डालते हैं, तो होम लोन खत्म होते-होते आपके पास उस पर लगने वाले भारी भरकम ब्याज जितना पैसा जमा हो जाएगा। अगर आप 20 साल की अवधि के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दर पर 50 लाख रुपये का होम लोन ले रहे हैं, तो हर महीने 42,603 रुपये की ईएमआई बनेगी। कर्ज अवधि खत्म होते-होते आपको ब्याज के रूप में 52.24 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान करना होगा।

जीएसटी में सुधार की उम्मीद से वाहन-एसी की खरीद टाल रहे ग्राहक-दुकानदार

● 25-30 फीसदी का होगा असर ● ब्रांडों के साथ कंपनियों की चल रही चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी स्लैब को चार से घटाकर दो करने के प्रस्ताव के बाद से ग्राहक व दुकानदार महंगी सामानों को खरीदने से बच रहे हैं। इनका मानना है कि इस हफ्ते टैक्स घटने से इनको भारी फायदा हो सकता है। जिन सामानों की खरीदी कम या पूरी तरह ठप हो गई है, उनमें प्रमुख रूप से वाहन, एसी, फ्रिज समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम शामिल हैं। दुकानदारों को डर है कि अभी सामान खरीदने से उनको जीएसटी घटने के बाद सस्ते में बेचना पड़ सकता है।

जीएसटी परिषद इसी सप्ताह 3-4 सितंबर को बैठक करेगी। इसमें मंत्रियों के समूह के प्रस्ताव पर चर्चा होगी। अंतिम निर्णय के बाद मौजूदा चार स्लैब 5,12,18 और 28 फीसदी

में से केवल 5 एवं 18 फीसदी के स्लैब रह जाएंगे। ऐसे में 28 फीसदी वाली वस्तुएं 18 फीसदी के दायरे में आ जाएंगी। इससे उपभोक्ताओं को फायदा की उम्मीद है।

जिन सामानों पर टैक्स घटने की उम्मीद है, उनमें वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर (एसी) और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं हैं। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर नवीन मालपानी ने कहा, जीएसटी 2.0 के लागू होने की तैयारी से ई-कॉमर्स क्षेत्र में उपभोक्ता व्यवहार खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों जैसे ऊंचे दाम वाले सामानों में बदलाव देखने को मिल रहा है। ग्राहक देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना रहे हैं। वहीं, वाहन उद्योग का मानना है कि मांग मजबूत है। लेकिन, उन्होंने देखो और इंतजार करो की रणनीति अपनाई है। निर्णय लेने में देरी से नए वाहनों की बिक्री पर असर पड़ रहा है। उम्मीद है कि सितंबर के पहले सप्ताह के बाद ग्राहकों का विश्वास बढ़ेगा, जिसका असर खरीद-बिक्री की गतिविधियों में देखने को मिलेगा। हालांकि, निकट भविष्य में बिक्री में अस्थायी गिरावट आ सकती है। लेकिन, नई व्यवस्था पर स्पष्टता आने के बाद बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पूरे साल का एक चौथाई राजस्व त्योहार में कमाते हैं। जीएसटी दरों में कमी से त्योहारी सीजन में ग्राहकों को अधिक आत्मविश्वास से खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इससे मांग को बढ़ावा मिल सकता है।

बीमा प्रीमियम का भुगतान भी रोक रहे पॉलिसीधारक

स्वास्थ्य और जीवन बीमा को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की चर्चा है। इससे जिन ग्राहकों को पॉलिसी अभी रिन्यू करानी है, वे इसे रोक रहे हैं। नियमों के अनुसार बीमा प्रीमियम तय समय से 15 दिन या एक महीने बाद भी भरा जा सकता है जिस पर कोई जुर्माना नहीं है।

IBPS RRB PO, Clerk 2025: Registration Begins, Eligibility Criteria, and Application Details Released

The Institute of Banking Personnel Selection (IBPS) has officially released the notification for the Common Recruitment Process for Regional Rural Banks (CRP RRBs XIV) for both Group A and Group B officer positions, including Probationary Officers (PO) and Clerks. The registration process has already started on the official website, ibps.in, and candidates will be able to apply until September 21, 2025. Once registered, aspirants can print their application forms by October 6, 2025. According to the notification, Indian citizens as well as nationals of Nepal and Bhutan are eligible to apply. Tibetan refugees who arrived in India before January 1, 1962, with the intention of permanent settlement, along with persons of Indian origin who migrated from certain countries such as Pakistan, Sri Lanka, and several East African nations, may also apply, provided they obtain a certificate of eligibility from the Government of India. The age criteria as of September 1, 2025, vary by position: candidates applying for Office Assistant (Multipurpose) posts must be between 18 and 28 years old, while the limit for Officer Scale-I is 18 to 30 years. For Officer Scale-II posts, the required age is 21 to 32 years, and for Officer Scale-III, applicants must be between 21 and 40 years of age.

Age relaxations will be available as per government norms. Candidates from reserved categories such as SC/ST can avail a relaxation of 5 years, OBC (non-creamy layer) candidates are entitled to a relaxation of 3 years, and Persons with Benchmark Disabilities (PwBD) can claim an additional 10 years. Ex-servicemen will also receive relaxations based on their duration of service, while widows, divorced women, and women legally separated from their husbands can apply under special provisions, with the maximum age limit extended to between 35 and 40 years depending on the category.

In terms of educational qualifications, all requirements must be fulfilled by September 21, 2025. For Office Assistants and Officer Scale-I, a bachelor's degree in any discipline is mandatory, with local language proficiency and computer literacy given preference. For Officer Scale-II, candidates must have specialised degrees along with one to two years of relevant experience in their respective fields. Senior-level Officer Scale-III positions require a minimum of five years of experience as an officer in banking or financial institutions, in addition to at least 50 per cent marks at the graduation level. Specialist Officer roles within Scale-II demand professional qualifications and certifications with one to two years of work experience, depending on the specialisation. Candidates with grades expressed in CGPA or OGPA will need to convert their marks into percentages and provide documentary proof during the verification stage.

The notification also emphasises inclusive measures for Persons with Benchmark Disabilities (PwBD), in line with the RPwD Act, 2016. Candidates with at least 40 per cent certified disability will be eligible for reservation benefits. PwBD candidates can also request the assistance of a scribe and compensatory time during the examination, provided the required documents are submitted. The qualification levels of scribes are regulated, and in certain cases of specific disabilities, candidates may not require additional medical certification to avail these facilities. This year's recruitment drive offers a significant opportunity for candidates aspiring to join India's Regional Rural Banks as officers or office assistants.

MCC Revises NEET UG Counselling 2025 Schedule, Round 2 Registration to Begin on September 4

The Medical Counselling Committee (MCC) has released the revised schedule for NEET UG Counselling 2025. According to the updated notification, the registration process for Round 2 will now begin on September 4, 2025, and candidates can check the complete details on the official website mcc.nic.in.

As per the new dates, the Round 2 registration window will remain open from September 4 to September 9, 2025. The choice-filling process will be available from September 5 to September 9, 2025, while the choice-locking facility will be enabled only on September 9, from 4 pm to 11:55 pm. The seat allotment process will take place between September 10 and 11, 2025, and the Round 2 allotment result will be announced on September 12, 2025. Candidates allotted seats in this round will have to report and join their respective institutes between September 13 and 19, 2025. The institutes will then verify the data of joined candidates on September 20 and 21, 2025.

Meanwhile, MCC has also extended the Round 1 resignation facility. Candidates who wish to resign from their allotted seats without forfeiting their security deposit can do so until September 3, 2025, up to 5 pm. Eligible candidates are advised to visit the official website, register online, complete the application process, pay the fee, and download the confirmation page for future reference. For detailed instructions and updates, candidates must regularly check mcc.nic.in.

ड्रेस के साथ मैचिंग कर प्रयोग करें हेयर क्लिप्स

इन दिनों बाजार में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर क्लिप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर क्लिप का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं।

युवतियां ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल क्लिप खासे भा रहे हैं। क्लिप्स जहां एक ओर यह बालों को बांधने के काम आते हैं वहीं आपको फैशनपरस्त दिखने में भी मदद करते हैं। कीमत में यह 10 रुपए से लेकर 50 रुपए तक मौजूद हैं। रंगों की बात करें तो रंग-बिरंगे क्लिप सभी को भा रहे हैं लेकिन इसी के साथ काला रंग भी खूब चलन में है। सब पर जो चल जाता है। इन दिनों युवतियां जहां गर्मी से बचने के लिए विभिन्न प्रकार के आकर्षक हेयर स्टाइल अपना रही हैं। वहीं बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मार्केट में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर क्लिप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पंसद व ड्रेस के साथ मैचिंग कर इन हेयर क्लिप्स का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं।

छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल क्लिप्स खासे भा रहे हैं। सिंपल हेयर स्टाइल में भी यदि युवतियां इन डिजाइनर हेयर क्लिप्स का इस्तेमाल करती हैं तो वह दिखने में बहुत खूबसूरत लगता है। इन हेयर क्लिप्स की खासियत यह है कि विभिन्न रंगों में मौजूद होने के कारण युवतियां व बच्चे इनका प्रयोग अपनी ड्रेस के साथ मैचिंग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी रह हेयर क्लिप्स बहुत पंसद आ रहे हैं। कॉलेज गोइंग गर्ल्स सूट सलवार, जींस व हर प्रकार की ड्रेस के साथ ही हेयर क्लिप्स का प्रयोग करना पंसद रही हैं। युवतियों का कहना है कि सिंपल हेयर स्टाइल के बावजूद भी यह क्लिप्स बालों का आकर्षण बढ़ा देते हैं। गर्मी से राहत के साथ फैशन के तौर पर भी इनका इस्तेमाल हो जाता है। इन क्लिप्स का प्रयोग यूं तो केवल छोटे बच्चों को लुभाने के लिए भी किया जाता था। लेकिन आजकल इनका प्रयोग कॉलेज जाने वाली गर्ल्स से लेकर कामकाजी युवतियां तक करना पंसद कर रही है। इसका मुख्य कारण इन क्लिप्स का विभिन्न रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध है। इनकी कीमत 20 रुपए पेयर के हिसाब से शुरू होती हैं। युवतियाँ अपनी ड्रेस की मैचिंग के क्लिप्स लेती हैं।

2 बीएचके घर में स्पेस को मैक्सिमाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

यूं तो 2बीएचके घर में स्पेस एक फैमिली के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने स्पेस को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं।

आजकल शहरों में लोग 2बीएचके घर में रहना अधिक पसंद करते हैं। एक स्मॉल फैमिली के लिए 2बीएचके घर का स्पेस पर्याप्त माना जाता है। लेकिन जब आपके घर में बच्चे बड़े होने लगते हैं या फिर फैमिली बढ़ने लगती है तो ऐसे में स्पेस कम होने लगता है। हालांकि, इस स्थिति में हर किसी के लिए बड़ा घर लेना उनके बजट में नहीं होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप अपने घर के स्पेस को ही मैक्सिमाइज करें। अधिकतर लोगों को यह लगता है कि वे अपने घर को मैक्सिमाइज किस तरह करें। ऐसा करना मुश्किल नहीं है, बस आपकी अप्रोच सही होनी चाहिए। अगर आप अपने 2बीएचके घर को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो ऐसे में आपको बस कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने 2बीएचके घर के स्पेस को आसानी से मैक्सिमाइज कर सकते हैं-

वर्टिकल स्पेस का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने 2बीएचके होम के स्पेस को अधिक मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप वर्टिकल स्टोरेज सॉल्यूशन पर विचार करें। इससे आपका काफी सारा सामान आसानी से आर्गेनाइज हो जाएगा और आपको स्पेस प्रोब्लम का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्टिकल स्पेस का इस्तेमाल करने के लिए आप वॉल-माउंटेन शेल्फ से लेकर कैबिनेट व हैंगिंग आर्गेनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। इससे आपके लिए अपनी किताबों से लेकर अन्य जरूरी आइटम्स व डेकोरेटिव आइटम्स को रखने में काफी आसानी होगी।

मल्टीपर्पस फर्नीचर में करें इनवेस्ट

कई तरह के फर्नीचर की जरूरत हम सभी को अपने घर में पड़ती ही है। लेकिन कई फर्नीचर पीस काफी सारा स्पेस लेते हैं, जिसकी वजह से 2बीएचके घर में भी स्पेस प्रोब्लम होती है। इसलिए आप मल्टीपर्पस व स्पेससेविंग फर्नीचर में इनवेस्ट करने का प्लॉन करें। मसलन, आप घर में अलग-अलग सोफा व बेड खरीदने की जगह सोफा कम बेड का इस्तेमाल करें। इसी तरह, फोल्डेबल बेड का उपयोग करें जिन्हें दिन के दौरान आसानी से स्टोर करके रखा जा सकता है। इसके अलावा, आजकल एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल का चलन है, जिन्हें आसानी से एक्सटेंड किया जा सकता है।

कॉर्नर का भी करें इस्तेमाल

यह स्पेस को मैक्सिमाइज करने का एक स्मार्ट तरीका है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। घर के अलग-अलग कोनों को स्टोरेज व होम डेकोर के लिए काम में लिया जा सकता है। अगर आप चाहें तो कॉर्नर में मल्टीपर्पस अलमारी या वॉल माउंटेन शेल्फ बनवाएं। इससे आप काफी सामान आसानी से रख पाएंगी। इसी तरह, अपने लिविंग एरिया के लिए एल शेप के सोफे या डेस्क का उपयोग करने पर विचार करें। इससे लिविंग एरिया का सेंट्रल स्पेस आसानी से बच जाता है और घर अपेक्षाकृत अधिक बड़ा व स्पेशियस फील होता है।

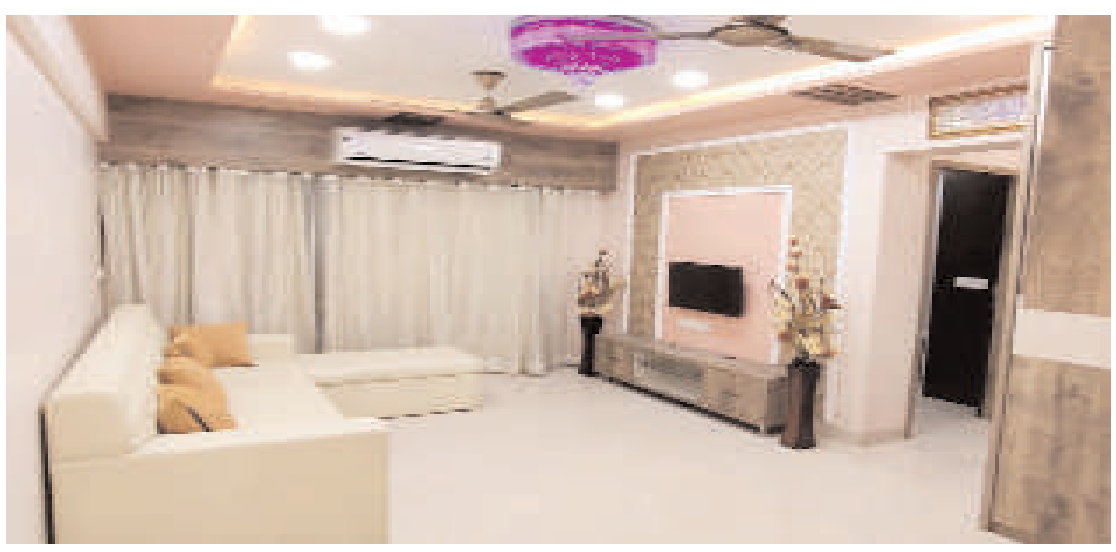

इन टिप्स की मदद से 2 बीएचके घर का करें न्यू मेकओवर, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

हर इंसान का सपना होता है कि उसका एक अपना घर हो, लेकिन दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में अपना घर लेना किसी मुश्किल काम से कम नहीं है। बड़े शहरों में लोग जड़ से अपना मकान तो नहीं ले पाते हैं लेकिन रहने के लिए प्लैट जरूर ले लेते हैं। ऐसे में घर छोटा हो या फिर बड़ा हर को सुंदर बनाना हर कोई चाहता है। अगर आप भी अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो याद रखें हमेशा अपने घर को साइज के अनुसार डेकोरेट करें।

अगर आपका घर 2 बीएचके का है तो इसे आप रॉयल लुक दे सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको स्मार्ट डेकोर टिप्स को अपनाना होगा। इस लेख में हम आपको 2 बीएचके फ्लैट को डेकोरेट करने के लिए स्मार्ट टिप्स के बारे में बताएंगे। तो देर किस बात करी आइए जानते हैं घर को खूबसूरत बनाने के लिए आसान और असरदार टिप्स।

दीवारों का कलर

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए दीवारों का कलर बहुत जरूरी होता है। क्योंकि घर की सुंदरता दीवारों के कलर से आती है। दीवारों पर लाइट कलर का पेंट करना से घर पर बड़ा और ब्राइट नजर आता है। खासकर हॉल की दीवारों का पैंट लाइट कलर का करवाएं। 2 बीएचके घर को रॉयल लुक देने के लिए आप क्रीम कलर का पेंट करवाएं।

ओपन किचन

इन दिनों ओपन किचन का काफी ट्रेंड है। आप भी घर को रॉयल लुक देने के लिए ओपन किचन बनवा सकते हैं। ओपन किचन का सबसे बड़ा फायदा होता है कि इस जगह का कम यूज होता है। वहीं इससे घर को मॉर्डन लुक भी मिलता है। अगर आप ओपन किचन बनवा रहे हैं तो किचन की टाइल व्हाइट या फिर ब्राउन कलर की लें। इसके अलावा किचन की अलमारी भी टाइल से मैचिंग कलर का बनवा सकते हैं। इससे आपका किचन खूबसूरत नजर आएगा।

लाइटिंग

घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लाइटिंग बहुत जरूरी होता है। रॉयल लुक के लिए घर की लाइटिंग बेहद जरूरी होती है। अगर यह खराब हो गई तो सारा लुक खराब हो जाता है। इन दिनों मार्केट में बेहद खूबसूरत और डिजाइन लैप और लाइट मिल जाती है जिसका इस्तेमाल कर आप अपने घर को खूबसूरत बना सकते हैं। लिविंग रूम में स्ट्रिंग लाइट लगाने से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं।

फर्नीचर

घर की असली खूबसूरती फर्नीचर लगाने के बाद ही आती है। 2 बीएचके घर के लिए आपको अपना फर्नीचर स्मार्ट तरीके से खरीदना चाहिए। अगर आप फर्नीचर खरीदने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि आपको घर के लिए ऐसे फर्नीचर लेना है जो कि ज्याता स्पेस न ले। वहीं इन दिनों शहरों में कम जगह के लिए सोफा कम बेड का काफी चलन है। ऐसे में आप भी इस सोफे सेट के बारे में सोच सकती हैं।

इंडोर प्लांट्स

घर को खूबसूरत बनाने के लिए शो पीस की जगह आप इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल करें। इससे न केवल घर की खूबसूरती बढ़ेगी बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इंडोर प्लांट्स को आप डाइनिंग रूम या फिर लिविंग रूम में रख सकती हैं।

अपने बगीचे में बोएं ये हरे साग के बीज

अक्सर बागवानी करने वालों को यह समझ नहीं आता है कि कौन की सब्जियां अपने बगीचे में लगाएं। अगर आप भी इस बात को लेकर परेशान हैं कि कौन सी वेजिटेबल लगाएं, तो यह आर्टिकल आपके लिए हेल्पफुल साबित हो सकता है।

केमिकल फ्री सब्जियां खाने के लिए अक्सर लोग अपने बगीचे में अलग-अलग प्रकार बीजों को लगाना पसंद करते हैं। लेकिन कई बार लोगों को यह समझ नहीं आता कि वह अपने घर के बगीचे में कौन सी हरी सब्जियां लगाएं। पत्तेदार सब्जियां ज्यादा पौष्टिक होती हैं और दूसरी सब्जियों की अपेक्षा इन्हें उगाना काफी आसान होता है। ज्यादातर हरी सब्जियां अपेक्षाकृत कम ठंडे मौसम में उगाई जा सकती हैं। अगर आप अपने बगीचे में कम समय में सब्जियां ग्रो करना चाहते हैं, तो यहां हम आपको बताने जा रहे हैं, कि आप इन बीजों को कैसे बो सकती हैं।

पालक को कैसे उगाएं

- पालक भारत में सबसे लोकप्रिय पत्तेदार सब्जी है। पालक के पौधे तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए बीज अंकुरित होने के 2-3 सप्ताह के भीतर वे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। कटाई करते समय, ऐसे पौधों की ढूढ़ें, जिनमें कम से कम पांच से छह स्वस्थ हरी पत्तियां उगी हों जो तीन से चार इंच लंबी हों।
- बीज बोने से एक सप्ताह पहले मिट्टी को खाद से तैयार करें
- बीज को मिट्टी में आधा इंच गहराई तक बोएं। उन्हें बहुत ज्यादा गहराई तक न बोएं। इससे बीज नहीं उगेंगे।
- बीजों के बीच 3 से 4 इंच का अंतर रखें।
- बीजों के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखें। अधिक पानी न डालें। सुबह पानी दें।
- पौधों को 2 से 3 इंच तक काटते रहें।
- कीटों और बीमारियों पर नजर रखें।
- पालक को अंकुरित न होने दें। पौधों को तुरंत उखाड़ दें।
- पालक की कटाई 45 से 50 दिन में करें।

मेथी को कैसे उगाएं

- मेथी एक बहुत ही सेहतमंद हरी पत्तेदार सब्जी है।
- बीज बोने के 3-4 दिन के भीतर पौधे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।
- तैयार हुई पत्तियों और तने को फिर से उगाने के लिए काट सकते हैं।
- अच्छी फसल के लिए अच्छा वेंटिलेशन और जल निकासी प्रदान करें।

सरसों का साग कैसे उगाएं?

- सरसों के पत्तों को उनके तीखे स्वाद के लिए पसंद किया जाता है। पत्तियों को बुवाई के 20-30 दिन बाद काटा जा सकता है। आप पत्तियों को पकने भी दे सकते हैं। इसके बाद उनका उपयोग कर सकते हैं।
- सबसे पहले आप पॉटिंग मिक्स तैयार करें। इसके लिए आप 60 प्रतिशत साधारण मिट्टी,20 प्रतिशत रेत और 20 प्रतिशत वर्मीकंपोस्ट या गोबर की खाद मिला सकते हैं।
- गमले में पॉटिंग मिक्स भरकर इसे ऐसी जगह पर रखें जहां धूप आती हो।
- अब आप गमले में सरसों के बीज डाल दें।
- ऊपर से हल्की-हल्की मिट्टी डालें।
- स्प्रिंकलर करके पानी दें ताकि बीज अपनी जगह पर ही रहें।
- बीजों को 3 से 4 दिन में ही आप देखेंगे कि बीजों में से पौधे निकलने लगे हैं।

माइक्रो ग्रीन्स को मिट्टी में कैसे उगाएं?

- माइक्रोग्रीन्स उगाने के लिए सबसे पहले ऐसी जगह चुनें जहां आपको भरपूर धूप मिल सके। इसे ग्रो लाइट में भी उगाया जा सकता है।
- तीन भाग कम्पोस्ट और एक भाग वरमीक्यूलाइट मिलाएं। सुनिश्चित करें कि दोनों में से किसी भी पदार्थ का कोई ढेर या गांठ न हो।
- मिश्रण को एक उथले कंटेनर या बीज ट्रे में डालें और इसे मिट्टी से भर दें।
- पानी अच्छी तरह से डालें ताकि मिट्टी नम रहे।
- इसके बाद बीजों को मिट्टी की सतह पर छिड़कें।
- अब उन्हें मिट्टी की एक और परत से ढककर मिट्टी को नम करें।
- नमी बनाए रखने के लिए कंटेनर को साफ प्लास्टिक बैग या चादर से ढक दें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन जांच करें कि मिट्टी नम बनी रहे।
- कंटेनरों को अच्छे वायु संचार वाले स्थान पर रखें।
- जब बीज अंकुरित हो जाएं तो प्लास्टिक हटा दें।
- खरपतवारों को हटा दें और पौधों को कम कर दें ताकि केवल सबसे मजबूत पौधे ही बचे रहें।
- पौधों को पानी और खाद देना जारी रखें।
- जब पौधे 1-2 इंच लंबे हो जाएं तो कटाई कर लें।
- यदि आप इन्हें तुरंत नहीं खाते हैं तो इन्हें फ्रिज में रखें।
- इसके अलावा आप अपने बगीचे में चुकंदर, मूली, सलाद के पत्ते और गाजर जैसी सब्जियां के बीज लगा सकती हैं।

जय शाह ने महिला क्रिकेटरों के लिए खोला खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला क्रिकेट विश्व कप की विजेता टीम को टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि मिलेगी। यह पिछले संस्करण में 1.32 मिलियन अमेरिकी डॉलर (11.65 करोड़ रुपये) से बढ़कर 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर (39.55 करोड़ रुपये) हो गई है। जय शाह की अध्यक्षता वाली इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने सोमवार (1 सितंबर) को यह घोषणा की। 30 सितंबर से शुरू हो रहे महिला क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। कुल मिलाकर, आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है, आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए कुल 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि की घोषणा की है। यह 2023 में हुए पुरुषों के विश्व कप से 34 करोड़ रुपये ज्यादा है। भारत में हुए उस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.21 करोड़ रुपये) थी।

297 प्रतिशत की वृद्धि

आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।'' न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपये थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

उपविजेता को 19.77 करोड़ रुपये

महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे।

प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 22 लाख रुपये मिलेंगे

ग्रुप चरण में जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे।

जय शाह क्या बोले

आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा, ''यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफर में एक मील का पत्थर साबित होगी। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के लिए हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यूएस ओपनः

दर्द से जूझते हुए जीते जोकोविच

न्यूयॉर्क, एजेंसी। नोवाक जोकोविच रविवार यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे। नोवाक जोकोविच 4-0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15-लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30-लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30-लव की बढ़त लेने के बाद भी वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6-4, 6-3, 6-3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

भाला फेंक में भारत के सबसे अधिक खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए रविवार को 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे। देश के इतिहास में पहली बार चार भारतीय विश्व चैंपियनशिप की किसी स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में

अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है। चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमारे चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी क्वालीफाई कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि इस बार भी वे सभी फाइनल में पहुंचेंगे। पिछली बार भी चार खिलाड़ी थे लेकिन रोहित यादव चोटिल हो गए थे और भाग नहीं ले पाए थे। और वे सभी फाइनल में शीर्ष छह में थे। एएफआई की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया जिसमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। रोहित के अलावा पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और पुरुषों की 35 किमी पैदल चाल के संदीप कुमार को अंतिम समय में शामिल किया गया। इन्हें भी अन्य प्रतिभागियों के हटने के कारण विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है। शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके।

यूएस ओपन

सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफियां चोरीः टेनिस खिलाड़ी ने इंस्टा पोस्ट में जानकारी दी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में चल रहे साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के दौरान ट्रॉफियां चोरी होने का मामला सामने आया है। रोमानिया की टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने सोशल प्लेटफार्म इंस्टाग्राम में एक स्टोरी पोस्ट कर लिखा कि एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। 35 साल की सोराना महिलाओं के एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने

शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा, जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है। कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है, लेकिन भावनात्मक कीमत है। क्रिस्टी ने इस महीने क्लीवलैंड में अपने कैरियर का तीसरा एकल खिताब जीता था। सोराना क्रिस्टी अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में 11वीं रैंकिंग वाली कैरोलिना मुचोवा से हार गई थी। उन्हें चेक रिपब्लिक की मुचोवा ने 7-6, 6-7, 6-4 से हराया।

एमएस धोनी की धरती से निकला नया सितारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरेलू क्रिकेट का नया सत्र 2025-26 धमाकेदार अंदाज में शुरू हुआ है। बेंगलुरु में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए, लेकिन असली चर्चा गेंदबाजों के असाधारण कारनामों की रही। इनमें सबसे ज्यादा सुर्खियां झारखंड के 21 वर्षीय युवा स्पिनर मनीषी ने बटोरीं। मनीषी ने दलीप ट्रॉफी में अपने डेब्यू मैच में ही ऐसे विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, जो अब तक कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं कर पाया था। मनीषी ने ईस्ट जोन की ओर से खेलते हुए नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में छह विकेट चटकाए। दिलचस्प बात यह रही कि ये सभी विकेट उन्होंने एलबीडब्ल्यू के रूप में हासिल किए। शुभम खजूरिया (26 रन), अंकित कुमार (30 रन), यश ढुल (39 रन), कन्हैया वधावन (76 रन), आकिब नबी (44 रन) और हर्षित राणा (7 रन) उनके शिकार बने। प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इतिहास में यह कारनामा मात्र छठी बार देखने को मिला है, जबकि किसी भारतीय गेंदबाज ने पहली बार यह उपलब्धि अपने नाम की है।

कंगना रनौत और प्रियंका चोपड़ा के वकील रिजवान सिद्दीकी, रोज़लिन खान से हारे

रिजवान सिद्दीकी, जिन्होंने कंगना रनौत को ऋतिक रोशन के साथ हुए विवाद में कंगना को,और अलग क़ानूनी मामले में प्रियंका चोपड़ा को भी रिप्रेजेंट किया था, अब एक लंबे चले केस के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना कर रहे हैं।

2018 में, सिद्दीकी को ठाणे क्राइम ब्रांच ने एक प्राइवेट जासूस के जरिए कथित तौर पर कॉल डेटा रिकॉर्ड निकालने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी का नाम भी शामिल था। हालांकि उन्हें मुंबई की अदालत ने छोड़ दिया था, लेकिन अधिकारियों ने उनके खिलाफ सबूत होने की बात कही थी। अब, अभिनेत्री और कैंसर सर्वाइवर रोज़लिन खान उर्फ?रेहाना खान द्वारा शुरू की गई लगभग एक दशक लंबी लड़ाई के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पेशेवर दुराचार के आधार पर सिद्दीकी का वकालत करने का लाइसेंस दो साल के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला, जो मूल रूप से महाराष्ट्र में लंबित था, अंतिम निर्णय के लिए राष्ट्रीय न्याय संस्था को स्थानांतरित कर दिया गया था। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, रोज़लिन खान ने कहा, यह राहत सालों के उत्पीड़न, कलंक और शक्तिशाली लॉबी के दबाव के बाद मिली है। न्याय मांगने के लिए मुझे विवादास्पद करार दिया गया। अपराध को हल करने के बजाय, सिस्टम ने मेरे चरित्र को ही बदनाम करने की कोशिश की। यह फैसला सिर्फ मेरी जीत नहीं है, बल्कि यह महाराष्ट्र में गहराई तक फैली हुई अन्याय को उजागर करता है और हर उस महिला को आवाज़ देता है जिसे शक्ति और हेरफेर से चुप कराया गया है। उन्होंने आगे कहा, मेरे 11 साल के दर्द की तुलना में दो साल का निलंबन पर्याप्त नहीं है। मैं व्यक्तिगत रूप से इस लड़ाई को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाऊंगी - यह तो बस शुरुआत है।

राणबीर की रामायण का 4000 करोड़ बजट सुन विवेक अग्निहोत्री को लगा झटका

मशहूर निर्देशक और निर्माता विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स आने वाले शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. वह अपनी इस अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं और इंटरव्यू दे रहे हैं. विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर विवाद भी हो रहा है. फिल्म के ट्रेलर रिलीज होते ही तमाम लोग इसकी आलोचना कर रहे हैं. इसी बीच विवेक अग्निहोत्री ने एक इंटरव्यू के दौरान रणबीर कपूर की फिल्म रामायण के भारी बजट पर रिएक्शन दिया है. आइए जानते हैं कि फिल्म रामायण को लेकर डायरेक्टर ने क्या कहा है.

विवेक अग्निहोत्री ने कही ये बात

विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में फिल्मीज्ञान से बात करते हुए तमाम मुद्दों पर बात की है. इस दौरान उन्हें बताया गया कि रणबीर कपूर की फिल्म रामायण का बजट 4000 करोड़ रुपये है. इस फिल्म का बजट सुनकर विवेक अग्निहोत्री को झटका लगा और उन्होंने इस पर रिएक्शन दिया है.

Salman Khan की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल

आपको बता दें कि, नो एंट्री 2 साल 2005 में आई सलमान खान, अनिल कपूर और फरदीन खान स्टारर सुपरहिट फिल्म नो एंट्री का सीक्वल है. उस फिल्म को भी अनीस बज्मी ने डायरेक्टर और बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया था. कॉमेडी और रोमांस से भरपूर इस मूवी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. अब देखना होगा कि इसके सीक्वल में नई स्टारकास्ट किस तरह दर्शकों का दिल जीतती है.

दिलजीत दोसांझ ने नो एंट्री 2 को क्यों कहा अलविदा ? सामने आई असली वजह

सलमान खान की फिल्म नो एंट्री के सीक्वल से पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ बाहर हो चुके हैं. वरुण धवन और अर्जुन कपूर की इस मूवी में दिलजीत भी नजर आने वाले थे, लेकिन अब वह इस फिल्म से बाहर हो चुके हैं. इसके पीछे की वजह का खुलासा खुद एक्टर ने किया है. बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक नो एंट्री 2 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड थे. इस फिल्म के लिए वरुण धवन और अर्जुन कपूर के साथ दिलजीत दोसांझ का नाम भी फाइनल हुआ था, लेकिन अब ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिलजीत इस मूवी का हिस्सा नहीं रहेंगे. ऐसे में अब एक्टर के फैंस यह जानना चाहते हैं कि, आखिर क्यों उन्हें ये बड़ा फैसला लेना पड़ा? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोड्यूसर बोनी कपूर और डायरेक्टर अनीस बज्मी इस साल अक्टूबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं, लेकिन दिलजीत दोसांझ का शेड्यूल इस दौरान बिल्कुल भी क्लियर नहीं है. दरअसल, 26 अक्टूबर से 13 नवंबर तक दिलजीत ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अपने इंटरनेशनल टूर में बिजी रहेंगे. इसके अलावा उनके पास कुछ और फिल्म प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिसकी वजह से वह शूटिंग डेट्स एडजस्ट नहीं कर पाए. खबरों के मुताबिक, जुलाई में ही पहली बार दिलजीत के फिल्म से अलग होने की चर्चा शुरू हुई थी. इसके बाद बोनी कपूर ने उनसे मुलाकात कर शेड्यूल एडजस्ट करने की कोशिश भी की. क्योंकि मेकर्स चाहते थे कि दिलजीत इस फिल्म का हिस्सा बने रहें, लेकिन आखिर में दोनों तरफ से आपसी सहमति के साथ ये फैसला लिया गया कि दिलजीत फिल्म नहीं करेंगे.अब कौन होगा No Entry 2 में तीसरा एक्टर?

छत्तीसगढ़ में चंगाई सभा के नाम पर धर्मांतरण का खेल, पुलिस की बड़ी कार्रवाई; 65 लोग हिरासत में

बलरामपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर धर्मांतरण का मामला सामने आया है। चंगाई सभा के नाम पर चल रहे इस खेल में पुलिस ने 65 लोगों को हिरासत में लिया है। इसमें 30 महिलाएं और 35 पुरुष शामिल हैं। पुलिस को मौके पर धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया करते हुए लोग मिले।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर के सामरी थाना क्षेत्र के इदरीपाठ गांव में रविवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। कथित चंगाई सभा के नाम पर चल रहे धर्मांतरण कार्यक्रम पर छापेमारी के दौरान 65 लोगों को हिरासत में लिया गया। ग्रामीणों की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने सभा को बीच में ही रोकते हुए यहां मौजूद स्थानीय लोगों को हिरासत में लिया है।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक, सभा में करीब 30 महिलाएं और 35 पुरुष मौजूद थे। पुलिस को मौके पर धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया करते हुए लोग मिले हैं। कथित चंगाई सभा, प्रार्थना आदि कामों में लगे लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

स्थानीय पत्रकारों के मुताबिक इस क्षेत्र में लंबे समय से इस तरह की गतिविधियां चल रही हैं। कई बार शिकायतें भी की गई हैं। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। विदित हो कि बलरामपुर जिले के दूरदराज इलाकों में धर्मांतरण की घटनाओं को लेकर पुलिस पहले भी कार्रवाई करती रही है।

ट्रंप टैरिफ की मार से मुंबई का समुद्री खाद्य उद्योग बेहाल

मुंबई, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले महीने भारत पर टैरिफ को बढ़ाकर 50 फीसदी करने का असर देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित दुनिया के सबसे बड़े समुद्री खाद्य बाजार (सी फूड मार्केट) पर बुरा असर पड़ा है। 27 अगस्त से लागू हुए 50 फीसदी टैरिफ ने अमेरिका को निर्यात होने वाले फ्रोजन समुद्री सी फुड के निर्यात पर बुरा असर डाला है क्योंकि पहले इस पर जहां सिर्फ 10 फीसदी टैरिफ लगता था, उसे बढ़ाकर पहले 25 फीसदी किया गया और अब यह 50 फीसदी हो चुका है। इसकी वजह से वैसे हजारों परिवारों की आजीविका पर बुरा असर पड़ा है, जो दशकों से और पीढ़ियों से सी फूड के कारोबार में फलते-फुलते रहे हैं।

महाराष्ट्र के सबसे व्यस्त और सबसे बड़े समुद्री खाद्य निर्यात केंद्रों में से एक, मुंबई के ससून डॉक में, समुद्री खाद्य पदार्थों को उतारने, पकड़ने, नीलामी और प्रसंस्करण की सामान्य हलचल के बावजूद एक चिंता का माहौल है। यहाँ का यह उद्योग, जिसने दशकों से अनगिनत परिवारों का पेट भरा है, अब अनिश्चितता के भंवर में फंसा है और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहा है।

एक महीने के अंदर 10 से 50 फीसदी हुआ टैरिफ: मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा गोदामों को अन्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए पट्टे पर दिए जाने के कारण ससून डॉक में मछली पकड़ने का उद्योग पहले से ही विलुप्त होने के खतरे का सामना कर रहा है। ट्रंप के टैरिफ ने इस उद्योग को और भी संकट में डाल दिया है। एक महीने के अंदर ही टैरिफ को 10 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी करने पर निर्यातकों और नीलामकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि इससे लाभदायक रहा सी फूड इंडस्ट्री नष्ट होने की कगार पर जा रहा है।

महिलाओं की आय पर खतरा: समुद्री उत्पाद नीलामी संघ के अध्यक्ष वसंत भुचाड़े ने कहा, अगर भारत सरकार ट्रंप टैरिफ का कोई हल नहीं निकालती है, तो निर्यातक इन मछुआरों को महत्व नहीं देंगे। व्यापारी और निर्यातक नीलामी के दौरान सस्ती दर की माँग करेंगे, और मछुआरे, जो आमतौर पर झींगों से अच्छी कमाई करते हैं, फिर झींगों के लिए पानी में जाने की ज़हमत नहीं उठाएँगे।

सड़क हादसे के आरोपी को 27 साल बाद किया दोषमुक्त

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद में सड़क दुर्घटना करने के आरोप में अदालत ने एक आरोपी को 27 साल के बाद दोषमुक्त किया है। पीड़ित पक्ष को आरोपी पर दोषसिद्ध करने के कई अवसर दिए गए लेकिन उनकी तरफ से कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किया जा सका। मामला साहिबाबाद थाना क्षेत्र का है।

अदालत से मिली जानकारी के मुताबिक 28 फरवरी 1998 को लोनी निवासी राजेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनके मुताबिक उसका भतीजा कुलदीप सिंह रात करीब 11 से 12 बजे के बीच मोहन नगर की तरफ से भौपुरा की तरफ साइकिल से जा रहा था। मोहन नगर की तरफ से तेज रफ्तार और लापरवाही से आते एक ट्रक ने कुलदीप की साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। घायल अवस्था में कुलदीप को मोहन नगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। तहरीर के आधार पर साहिबाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के साथ जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने अपनी जांच में ट्रक नंबर के आधार पर 2008 में साहिबाबाद निवासी अयूब अली को दुर्घटना का अपराधी बनाते हुए अदालत में आरोप पत्र पेश कर दिया। मामले की सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या-7 नीरज सिंह की अदालत में चल रही थी। सुनवाई के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसके ऊपर जो आरोप लगाए गए हैं वह पूरी तरह से गलत है। उसे झूठा फंसाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर अभियोजन की ओर से कई बार मौका दिए जाने के बाद भी वह कोई भी साक्षी अदालत के समक्ष पेश नहीं कर सका। जिस कारण अभियोजन इस मामले में अभियुक्त पर जो भी आरोप लगाए थे उन्हें सिद्ध नहीं कर पाया।

तीन दशकों बाद कश्मीर में फिर खुला शारदा भवानी मंदिर, मुस्लिम बोले- घाटी पंडितों की जन्मभूमि

श्रीनगर, एजेंसी।
कश्मीरी पंडित समुदाय ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शारदा भवानी मंदिर को तीन दशकों से भी ज्यादा समय बाद फिर से खोल दिया। इस समारोह में स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भारी

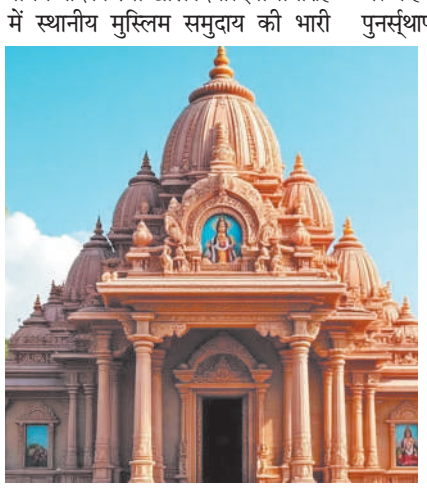

भागीदारी रही। मध्य कश्मीर जिले के इचकूट गांव में मुहूर्त और प्राण प्रतिष्ठा के साथ आयोजित इस समारोह में कश्मीरी पंडित परिवारों का एक ग्रुप 1990 के दशक की शुरुआत में कश्मीर घाटी में उग्रवाद भड़कने के बाद पहली बार अपने पैतृक स्थान पर लौटा। इस दौरान एक मुस्लिम बुजुर्ग ने कहा कि कश्मीर घाटी कश्मीरी पंडितों की जन्मभूमि है और दोनों समुदाय साथ-साथ पले-बढ़े हैं।

बडगाम स्थित शारदा स्थापना समुदाय के अध्यक्ष सुनील कुमार भट्ट ने कहा, हम कह सकते हैं कि यह पाकिस्तान स्थित शारदा माता मंदिर की एक शाखा है। हम लंबे समय से इस मंदिर को फिर से खोलना चाहते थे। स्थानीय मुसलमान भी यही चाहते थे। वे हमें नियमित रूप से आकर मंदिर की पुनर्स्थापना करने के लिए कहते थे।

उन्होंने कहा कि पंडित समुदाय ने 35 साल बाद मंदिर को फिर से खोला है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि यह (सभा) एक वार्षिक आयोजन होगा और हम माता रानी से प्रार्थना करते हैं कि समुदाय के सदस्य जल्द ही कश्मीर लौट आएं। भट्ट ने कहा कि कुछ कश्मीरी पंडितों ने, जिनमें से ज्यादातर प्रधानमंत्री पैकेज के तहत काम कर रहे हैं, मंदिर का पुनर्निर्माण किया है और पुराने मंदिर के खंडहर हो जाने के कारण, उन्होंने जिला प्रशासन से एक नए मंदिर के निर्माण के लिए संपर्क किया है।

उन्होंने कहा, हम निर्माण की योजना बना रहे हैं। हमने वहां एक शिवलिंग स्थापित किया है जो हमें इस जगह की सफाई और जीर्णोद्धार के दौरान मिला था। समारोह में घाटी की प्रसिद्ध मिश्रित संस्कृति की झलक दिखाई दी क्योंकि स्थानीय मुसलमान भी इस समारोह में शामिल हुए। भट्ट ने कहा, स्थानीय समुदाय के बिना, यह संभव नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि उनका समर्थन बहुत बड़ा है।

राजस्थान सरकार ला रही धर्मांतरण विरोधी कानून

बिल विधानसभा में होगा पेश; क्या प्रावधान?

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान सरकार एक सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून लाने जा रही है। राज्य सरकार सोमवार से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र में एक बिल पेश करेगी जिसमें जबरदस्ती, झूठ बोलकर या धोखाधड़ी से कराए गए धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े प्रावधान होंगे। राज्य के कानून और कानूनी मामलों के मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान में अवैध धर्मांतरण से निपटने के लिए कोई खास कानून नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में राजस्थान गैरकानूनी धार्मिक रूपांतरण निषेध विधेयक, 2025 के नए मसौदे को मंजूरी दी गई। मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि पहले का बिल जो पिछले सत्र में पेश किया गया था उसे वापस लिया जाएगा। उसकी जगह यह नया मसौदा पेश किया जाएगा जिसमें कड़े प्रावधान होंगे। प्रस्तावित कानून में दोषियों के लिए सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। सामान्य मामलों में 7 से 14 साल तक की कैद और कम से कम 5 लाख रुपये का जुर्माना होगा। सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में 20 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा और कम से कम 25 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रस्ताव है। मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि यह विधेयक किसी भी व्यक्ति या संगठन को जोर-जबरदस्ती, अनुचित प्रभाव या धोखाधड़ी से धर्मांतरण कराने से रोकता है। इसमें यह भी प्रावधान है कि यदि शादी केवल धर्मांतरण के मकसद से की गई है तो उसे कानूनी तौर पर अमान्य घोषित किया जाएगा। प्रस्तावित कानून के तहत सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होंगे। मंत्री जोगाराम पटेल ने यह भी स्पष्ट किया कि अपने पैतृक धर्म में वापस लौटने को कानून के तहत धर्मांतरण नहीं माना जाएगा। प्रस्तावित कानून में नाबालिगों, महिलाओं, दिव्यांगों या एससी/एसटी समुदायों के लोगों का धर्मांतरण कराने के मामले में सजा के तौर पर 10 से 20 साल तक की कैद और कम से कम 10 लाख रुपये के जुर्माने का प्रावधान होगा।

विदेशी रकम ली तो कैद और जुर्माना – धर्मांतरण के लिए विदेशी या बिना अनुमति के पैसा स्वीकार करने पर 10 से 20 साल की कैद और कम से कम 20 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान होगा। जोर-जबरदस्ती, शादी में धोखाधड़ी, मानव तस्करी या कमजोर पीड़ितों से जुड़े अपराधों में सजा बीस साल से लेकर उम्रकैद तक की कैद और कम से कम 30 लाख रुपये तक की जुर्माना होगी।

बार-बार अपराध पर उम्रकैद और 50 लाख जुर्माना – मसौदे के अनुसार, बार-बार अपराध करने वालों को उम्रकैद तक की सजा सुनाई जा सकती है। साथ ही इन पर कम से कम 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। गैरकानूनी धर्मांतरण में शामिल संस्थानों का पंजीकरण रद्द किया जा सकता है। साथ ही राज्य की तरफ से मिलने वाली मदद बंद की जा सकती है। गैरकानूनी धर्मांतरण के लिए इस्तेमाल की गई संपत्तियों की जांच के बाद उन्हें जब्त किया जा सकता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।